■ भाद्रपद कृष्णा - 14 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 40 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 01-09-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 एससी-एसटी का उपवर्गीकरण और 'क्रीमीलेयर' का मुद्दा बांटने वाला है: मायावती

6 लांस नायक रणजोध सिंह: अपनी जान से ज्यादा की जवानों की फिक्र

7 तकलीफ होती है जब कोई महिला प्रधान फिल्म असफल हो जाती है : प्रियंका चोपड़ा

कर्नाटक और तमिलनाडु समेत पूरे दक्षिण का विकास हमारी सरकार की प्राथमिकता है : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 3 'वंदे भारत' ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तीन 'वंदे भारत' ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज उत्तर से दक्षिण तक देश की विकास यात्रा में एक और अध्याय जुड़ रहा है। आज से मदुरै-बेंगलूरु, चेन्नई-नागरकोइल और मेरठ-लखनऊ के बीच वंदे भारत ट्रेनों की सेवा शुरू हो रही है। ये ट्रेनें उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और कर्नाटक में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देंगी।

उन्होंने वंदे भारत ट्रेनों के विस्तार, आधुनिकता और रफ्तार की सराहना करते हुए कहा कि हमारा देश 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर कदम-दर-कदम बढ़ रहा है। इन ट्रेनों से देश के महत्त्वपूर्ण शहरों के साथ-साथ ऐतिहासिक कस्बों को भी संपर्क सुविधा मिली है। उन्होंने कहा कि मंदिरों का शहर मदुरै अब आईटी सिटी बेंगलूरु से जुड़ गया है। इससे न केवल संपर्क आसान होगा, बल्कि यह तीर्थयात्रियों के लिए भी खासकर सप्ताहांत या त्योहारों के दौरान बहुत फायदेमंद होगा। चेन्नई-नागरकोइल मार्ग से छात्रों, किसानों और आईटी पेशेवरों को बहुत लाभ होगा।

दक्षिण भारत में अपार प्रतिभा

प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए दक्षिण के राज्यों का तेज विकास बहुत जरूरी है। दक्षिण भारत में अपार प्रतिभा है, अपार संसाधन और अवसर हैं, इसलिए तमिलनाडु और कर्नाटक समेत पूरे दक्षिण का विकास हमारी सरकार की प्राथमिकता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते 10 वर्षों में इन राज्यों में रेलवे की विकास यात्रा इसका उदाहरण है। इस साल के बजट में हमने तमिलनाडु को 6,000 करोड़ रुपए से ज्यादा रेलवे बजट दिया है। यह बजट साल 2014 की तुलना में सात गुना से ज्यादा है। तमिलनाडु में वंदे भारत ट्रेनों की कुल संख्या आठ हो जाएगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इसी तरह कर्नाटक के लिए भी इस बार 7,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का बजट आवंटित हुआ है। यह बजट भी साल 2014 की तुलना में नौ गुना ज्यादा है। आज कर्नाटक को आठ वंदे भारत ट्रेनें जोड़ रही हैं। जहां भी वंदे भारत ट्रेनें चली हैं, वहां पर्यटन में वृद्धि हुई है, जिससे स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा मिला है और रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं। मैं इस उपलब्धि के लिए नागरिकों को बधाई देता हूं।

दक्षिण में रेल यातायात को और मजबूत किया

प्रधानमंत्री ने कहा कि बजट में कई गुना बढ़ोतरी ने तमिलनाडु और कर्नाटक सहित दक्षिण भारत के राज्यों में रेल यातायात को और मजबूत किया है। रेलवे ट्रैकों में सुधार किया जा रहा है, उनका विद्युतीकरण हो रहा है और रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। इससे लोगों के जीवन में आसानी बढ़ी है और व्यापार करने में भी सुगमता हुई है।

हर रूट पर वंदे भारत की मांग

प्रधानमंत्री ने मेरठ-लखनऊ मार्ग पर नई वंदे भारत ट्रेन की शुरुआत के लिए लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इससे उप्र और खासकर पश्चिमी उप्र के लोगों को खुशखबरी मिली है। मेरठ और पश्चिमी उप्र क्रांति की धरती हैं। आज यह क्षेत्र विकास की नई क्रांति का साक्षी बन रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वंदे भारत आधुनिक होती भारतीय रेलवे का नया चेहरा है। आज शहर में, हर रूट पर वंदे भारत की मांग है। हाई-स्पीड ट्रेनों के आने से लोगों में अपने व्यापार और रोजगार को, अपने सपनों को विस्तार देने का भरोसा जगता है। आज देशभर में 102 वंदे भारत रेलवे सेवाएं संचालित हो रही हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) इस बात का उदाहरण बन रहा है कि कैसे पीएम गतिशक्ति का विजन आधुनिक ट्रेनों, एक्सप्रेसवे के नेटवर्क और हवाई सेवाओं के विस्तार के साथ देश के इंफ्रास्ट्रक्चर को बदल सकता है। रेलवे लाइनों का दोहरीकरण हो, विद्युतीकरण हो, नई ट्रेनों को चलाना हो, नए रूट्स का निर्माण हो, इन सभी पर तेजी से काम हो रहा है।

हवाईअड्डों की तरह होंगे रेलवे स्टेशन

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में 1,300 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों का नवीनीकरण किया जा रहा है, जिनमें से कुछ को हवाईअड्डों की तरह बनाया जा रहा है। इसके अलावा छोटे-से-छोटे स्टेशनों को भी अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ विकसित किया जा रहा है, जिससे यात्रा की सुगमता बढ़ेगी। जब रेलवे, सड़क और जलमार्ग जैसे कनेक्टिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जाता है तो देश मजबूत होता है

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब रिकॉर्ड संख्या में अस्पताल, शौचालय और पक्के घर बनते हैं तो देश के विकास का लाभ गरीब से गरीब व्यक्ति को भी मिलता है। जब कॉलेज, विश्वविद्यालय और उद्योग जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास होता है तो इससे युवाओं की प्रगति की संभावना भी बढ़ती है। ऐसे अनेक प्रयासों के कारण पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आ पाए हैं।

बहुत लंबा सफर तय करना है

प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते वर्षों में रेलवे ने अपनी मेहनत से दशकों पुरानी समस्याओं के समाधान की उम्मीद जगाई है, लेकिन हमें अभी इस दिशा में बहुत लंबा सफर तय करना है। हम तब तक नहीं रुकेंगे, जब तक भारतीय रेल गरीब, मध्यम वर्ग, सभी के लिए सुखद यात्रा की गारंटी नहीं बन जाती।

फर्स्ट टेक

अदन की खाड़ी में जहाज को निशाना बनाकर मिसाइल हमला

दुबई/एपी। अदन की खाड़ी में शुक्रवार देर शाम एक जहाज को निशाना बनाकर दो मिसाइल दागी गईं, जो पास के जल क्षेत्र में गिरीं। प्राधिकारियों ने इस हमले के पीछे यमन के हूती विद्रोहियों का हाथ होने की आशंका जताई है। इस हमले से पहले हूती विद्रोहियों ने यूनान के झंडे वाले एक तेल टैंकर में घुसकर उसमें विस्फोटक रखे थे, जिससे बाद में उसमें कई विस्फोट हुए थे। टैंकर में विस्फोट से लाल सागर में बड़े पैमाने पर तेल रिसाव का खतरा पैदा हो गया है। हूती विद्रोहियों द्वारा पिछले कुछ समय में पोत को निशाना बनाकर किए गए हमलों से एक हजार अरब अमेरिकी डॉलर के उस सामान की आपूर्ति बाधित हुई है, जो इजराइल-हमास युद्ध के मद्देनजर हर साल गाजा पट्टी में लाल सागर के जरिये भेजा जाता है। ब्रिटिश सेना के 'यूनाइटेड किंगडम मैरिटाइम ट्रेड ऑपरेशंस' (यूकेएमटीओ) केंद्र ने बताया कि शुक्रवार को किए गए हमले के दौरान दो मिसाइल अदन से करीब 240 किलोमीटर पूर्व में जहाज के पास गिरीं।

यूपीआई के कई और देशों तक बढ़ने की संभावना: आरबीआई गवर्नर

भुवनेश्वर/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) कई और देशों तक बढ़ेगा। राज्य के पांच दिवसीय दौरे पर आए दास ने कहा कि यूपीआई पहले ही क्यूआर कोड और फास्ट पेमेंट सिस्टम के जरिये कई देशों में मौजूद है और कई अन्य देशों के साथ इस पर चर्चा चल रही है। उन्होंने शुक्रवार शाम को यहां संवाददाताओं से कहा, ''हमें उम्मीद है कि यह वैश्विक स्तर पर और बढ़ेगा और भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहुंचेगा।''

रूस में 22 लोगों को ले जा रहा हेलीकॉप्टर लापता

मास्को/एपी। रूस के पूर्वी इलाके में शनिवार को लापता हुए हेलीकॉप्टर की तलाश में बचावकर्मी जुटे हुए हैं। इस हेलीकॉप्टर में 22 यात्री सवार थे। रूस की संघीय हवाई परिवहन एजेंसी ने एक बयान में कहा कि एमआई-8 हेलीकॉप्टर ने कामचटका क्षेत्र में वाचकाझेत्स ज्वालामुखी के निकट से उड़ान भरी थी, लेकिन वह निर्धारित समय पर अपने गंतव्य पर नहीं पहुंचा। एजेंसी के अनुसार, माना जाता है कि इस हेलीकॉप्टर में 19 यात्री और चालक दल के तीन सदस्य सवार थे। एमआई-8 दो इंजन वाला हेलीकॉप्टर है जिसे 1960 के दशक में 'डिजाइन' किया गया था। इसका इस्तेमाल रूस में व्यापक रूप से किया जाता है।

सूर्यास्त 01-09-2024	सूर्योदय 02-09-2024
6:30 बजे	6:08 बजे

BSE	NSE
82,365.77	25,235.90
(+231.16)	(+83.95)

सोना	चांदी
7,531 रु.	86,409 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

थूक फजीती

दल बाँट रहे महापुरुषों को,
अपनी खिसियाहट के कारण।
मृतकों को अपमानित करके,
लड़ रहे सियासत का वे रण।
कुछ शर्म करो दल धृतराष्ट्रों,
तक रहा वक्त तुमको प्रति क्षण।
इस थूक-फजीती को लख-सुन,
आक्रोशित है अब जन मन गण।।

मिट्टी को बंजर होने से बचाने के लिए

जैविक खाद का प्रयोग करें किसान : चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को किसानों से मिट्टी को बंजर होने से बचाने और मानव स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए जैविक खाद का उपयोग करने का आग्रह किया है।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री गोवा के किसानों और 'स्वयंपूर्ण मित्रों' (सरकारी योजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए नियुक्त कर्मी) के साथ 'डिजिटल' संवाद कर रहे थे। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत गोवा से संवाद में शामिल हुए। यह संवाद तटीय राज्य की पंचायतों, नगर पालिकाओं और क्षेत्रीय कृषि कार्यालयों में प्रसारित किया गया।

चौहान ने कहा, ''धीरे-धीरे हमें जैविक खेती की ओर बढ़ना होगा। रासायनिक खादों का उपयोग मिट्टी को प्रभावित कर रहा है। अगर रासायनिक खादों और कीटनाशकों का निरंतर उपयोग होता रहा तो मिट्टी बंजर हो जाएगी। यह मानव स्वास्थ्य के लिए भी बुरा है।'' उन्होंने विभिन्न 'सब्सिडी' देकर जैविक खेती पर जोर देने के लिए राज्य सरकार की सराहना की। चौहान ने कहा कि 'स्वयंपूर्ण गोवा' (आत्मनिर्भर) पहल इस बात का उदाहरण है कि सरकार किस प्रकार उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर सकती है और अधिकारियों को अधिकतम संभावनाओं का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों को भी इसका अनुकरण करना चाहिए। चौहान ने कहा कि जब वह मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री थे, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'स्वयंपूर्ण गोवा' कदम के बारे में बात की थी और राज्यों से इसे अपनाने का आग्रह किया था। चौहान ने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी सिर्फ वर्तमान के बारे में नहीं सोचते बल्कि देश के लिए एक दृष्टिकोण रखते हैं। उन्होंने सभी को 2047 तक विकसित भारत के लिए काम करने का लक्ष्य दिया है। प्रधानमंत्री ने हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में विकसित भारत का 'रोडमैप' पेश किया।''

भारत में अगस्त में बारिश सामान्य से 16 प्रतिशत अधिक हुई : आईएमडी

नई दिल्ली/भाषा। भारत में अगस्त में सामान्य से लगभग 16 प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज की गई। वहीं, उत्तर-पश्चिम भारत में 253.9 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो 2001 के बाद से अगस्त में दूसरी सबसे अधिक बारिश है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को यह जानकारी दी। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने डिजिटल माध्यम से संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि देश में अगस्त में 287.1 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि सामान्य तौर पर 248.1 मिमी बारिश होती है। कुल मिलाकर, एक जून को मानसून की शुरुआत के बाद से भारत में अब तक 749 मिमी वर्षा हुई है, जबकि इस अवधि में सामान्य तौर पर 701 मिमी बारिश होती है। आईएमडी प्रमुख ने कहा कि हिमालय के तराई क्षेत्रों और पूर्वोत्तर के कई जिलों में सामान्य से कम वर्षा हुई, क्योंकि अधिकांश निम्न दबाव प्रणालियां अपनी सामान्य स्थिति से दक्षिण की ओर चली गईं और मानसून का प्रवाह भी दक्षिण में बना रहा।

दक्षिण भारतीय अभिनेत्री राधिका सरतकुमार ने लगाए चौंकाने वाले आरोप

मलयालम फिल्म सेट पर अभिनेत्रियों के 'वैनिटी वैन' में छिपाकर कैमरे लगाए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। दक्षिण भारतीय अभिनेत्री राधिका सरतकुमार ने शनिवार को चौंकाने वाले आरोप लगाते हुए कहा कि एक मलयालम फिल्म की शूटिंग के सेट पर एक कारवां' वाहन (वैनिटी वैन) के अंदर छिपाकर लगाए गये कैमरों से महिला कलाकारों के आपत्तिजनक वीडियो रिकॉर्ड किए गए थे और उन्होंने पुरुष कलाकारों को अपने मोबाइल फोन पर इन वीडियो को देखते हुए स्वयं देखा था। न्यायमूर्ति के. हेमा समिति की रिपोर्ट जारी होने के बाद वरिष्ठ अभिनेत्री द्वारा एक मलयालम चैनल से बातचीत के दौरान लगाए गए आरोप पर आरएमपी (रेवोल्यूशनरी मार्क्सवादी पार्टी ऑफ इंडिया) नेता एवं विधायक के. के. रेमा सहित राज्य में विभिन्न वर्गों ने तीखी प्रतिक्रियाएं व्यक्त की हैं।

राधिका ने इस बात पर सवाल किया कि हेमा समिति की रिपोर्ट में देरी क्यों हुई और उन्होंने आरोप लगाया कि सिर्फ मलयालम फिल्म उद्योग में ही नहीं, बल्कि अन्य उद्योगों में भी महिलाओं का कथित उत्पीड़न और उनसे दुर्व्यवहार होता है। राधिका सरतकुमार ने इस संबंध में अपना निजी अनुभव साझा करते हुए कहा कि एक मलयालम फिल्म की शूटिंग के सेट पर उन्होंने पुरुषों को अभिनेत्रियों के कारवां' वाहन में छिपे कैमरों से बने वीडियो की क्लिप देखते हुए स्वयं देखा था।

वरिष्ठ अभिनेत्री ने चैनल से कहा, मैंने यह देखा है। मैंने कारवां में महिलाओं के कपड़े बदलते समय के वीडियो देखे हैं। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि यह किस फिल्म के सेट की बात है और उन्होंने किन अभिनेताओं को ये वीडियो देखते हुए देखा था। उन्होंने इस संबंध में और कोई जानकारी नहीं दी। राधिका ने कहा कि उन्होंने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी तथा कारवां के प्रभारी को चेतावनी दी थी कि यदि वाहनों में छिपे हुए कैमरे दोबारा लगे पाए गए तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अभिनेत्री ने कहा, ''मुझे बहुत गुस्सा आया था। मैंने जोर देकर कहा कि मुझे सुरक्षित माहौल चाहिए और इसलिए मैंने कहा कि मुझे कारवां नहीं चाहिए और मैं अपने होटल के कमरे में वापस चली गई।'' अभिनेत्री (62) ने हेमा समिति के निष्कर्षों पर विभिन्न उद्योगों के पुरुष अभिनेताओं की चुप्पी की आलोचना की।

अभिनेत्री ने कहा, ''अब जिम्मेदारी महिलाओं की है। उन्हें (महिला कलाकारों को) खुद की सुरक्षा की जिम्मेदारी उठानी होगी।''

'सुरक्षा कारणों' से क्षतिग्रस्त हेलीकॉप्टर को वायुसेना को नीचे गिराना पड़ा

नई दिल्ली/भाषा। उत्तराखंड में क्षतिग्रस्त केस्ट्रेल सिविल हेलीकॉप्टर को ले जा रहे भारतीय वायुसेना के एक हेलीकॉप्टर को उड़ान संबंधी सुरक्षा कारणों से शनिवार को उसे ''नीचे गिराना पड़ा।'' भारतीय वायुसेना ने यह जानकारी दी। वायुसेना ने कहा कि मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं। इसने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''आज उत्तराखंड में क्षतिग्रस्त केस्ट्रेल सिविल हेलीकॉप्टर को ले जाते समय भारतीय वायुसेना के एमआई-17 वी5 को उड़ान संबंधी सुरक्षा कारणों से भार को नीचे गिराना पड़ा।'' वायुसेना ने कहा, ''चालक दल ने भार को सुरक्षित रूप से एक निर्जन क्षेत्र में छोड़ दिया।

चीन से होने वाले निवेश की समीक्षा की जानी चाहिए : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि भारत के सामने ''चीन संबंधी एक विशेष समस्या'' है जो दुनिया की ''चीन संबंधी सामान्य समस्या'' से अलग है। उन्होंने साथ ही कहा कि चीन के साथ संबंधों एवं सीमा पर स्थिति को देखते हुए वहां से होने वाले निवेश की समीक्षा की जानी चाहिए।

जयशंकर ने कहा कि यदि लोग चीन के साथ व्यापारिक घाटे की शिकायत कर रहे हैं और ''हम भी'' (इससे परेशान हैं) तथा ऐसा इसलिए है क्योंकि दशकों पहले ''हमने चीनी उत्पादन की प्रकृति और उन लाभों को जानबूझकर नजरअंदाज कर दिया था, जो उन्हें ऐसी प्रणाली में प्राप्त हुए, जिसमें उन्हें अपने साथ लाए गए सभी लाभों के अलावा समान अवसर मिले।'' उन्होंने यहां 'ईटी वर्ल्ड लीडर्स फोरम' में 'नए भारत के जोखिम, सुधार और जिम्मेदारियां' विषय पर आयोजित सत्र के दौरान कहा, ''चीन कई मायनों में एक अनूठी समस्या है क्योंकि वह एक अनूठी राजनीति है, वह एक अनोखी अर्थव्यवस्था है। जब तक कोई इस विशिष्टता को समझने की कोशिश नहीं करता, तब तक इससे निकाले जाने वाले निर्णय, निष्कर्ष और नीतिगत कदमों में समस्या रहेगी।''

जयशंकर ने कहा, ''चीन को लेकर एक सामान्य समस्या है। हम दुनिया के एकमात्र देश नहीं हैं, जो चीन के बारे में बहस कर रहे हैं। यूरोप में जाइए और उनसे पूछिए कि आज उनकी प्रमुख आर्थिक या राष्ट्रीय सुरक्षा बहस क्या है। यह बहस चीन के बारे में है। अमेरिका को देखिए। उसे भी चीन के प्रति दिक्कत है और यह कई मायनों में सही भी है।''

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने कहा

पाकिस्तान की आईएसआई की आतंकवादियों के साथ मिलीभगत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) एच आर मैकमास्टर ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं है कि आतंकवादी समूहों के साथ पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी 'इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस' (आईएसआई) की ''मिलीभगत'' है।

मैकमास्टर ने खुलासा किया कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के दौरान उनके कार्यकाल में व्हाइट हाउस को इस्लामाबाद को सुरक्षा सहयोग मुहैया कराने को लेकर विदेश विभाग और पेंटागन के विरोध का सामना करना पड़ा था।

मैकमास्टर ने कहा कि ट्रंप ने पाकिस्तान को तब तक सभी सहायता रोकने का आदेश दिया था, जब तक वह आतंकवादियों को सुरक्षित पनाह मुहैया कराना बंद नहीं करता, लेकिन इसके बावजूद तत्कालीन रक्षा मंत्री जिम मैटिस इस्लामाबाद को एक सैन्य सहायता पैकेज देने की योजना बना रहे थे, जिसमें 15 करोड़ डॉलर से अधिक के बख्तरबंद वाहन शामिल थे।

सहज स्मृति योग

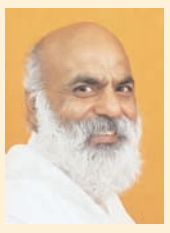

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, मैंने कहीं पढ़ा कि सातवीं सदी के तमिलनाडु के अलवर संतों में से एक आण्डाल नामक आराधिका रंगनाथ स्वामी की मूर्ति में भरी भीड़ के सामने समा गईं थीं। राजस्थान की संत मीरा बाई के बारे में भी यही पढ़ा है कि वे भी श्रीनाथ स्वामी की मूर्ति में समा गईं ? क्या यह सम्भव है?

उत्तर: सम्भव तो यह भी है कि एक बड़ा सा उल्का पिण्ड तीव्र वेग से धरती से टकराए और धरती का नामोनिशान ही मिट जाए। वैज्ञानिक कह भी रहे हैं कि ऐसा हो सकता है। संभव तो यह भी है कि जितने परमाणु बम मानव ने बना रखे हैं उनमें विस्फोट हो और धरती पर जीवन के चिह्न ही मिट जाएँ। सम्भव तो यह भी है कि सूरज अपना ताप खो दे या हमसे ज़रा सा पास या दूर ही चला जाए तो दोनों ही स्थितियों में पृथ्वी पर जीवन ही समाप्त हो जाए। और, सम्भव तो यह भी है कि पृथ्वी पर रहने वाले सभी मनुष्य सही शिक्षा दीक्षा पाकर विवेकवान हो जाएँ और, उपभोग का पैटर्न बदल कर पर्यावरण संकट ही समाप्त कर लें। कहने का आशय यह है कि आस्था और श्रद्धा संयुक्त बुद्धिमान व्यक्ति किसी भी तरह की संभावना पर प्रश्नचिन्ह नहीं लगाते। पर, जिनके बारे में आपने पूछा है उनके बारे में बोलने का अधिकार केवल उस घटना के प्रत्यक्षदर्शी को ही होना चाहिए अन्यथा अंधविश्वास, भय, रूढ़िवादिता जैसी मान्यताओं को बल मिलता है और व्यक्ति ज्ञान संयुक्त भक्ति मार्ग से विमुख हो जाते हैं। सम्भव सब कुछ है।

आंध्र प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में लगातार बारिश

विजयवाड़ा में भूस्खलन में एक व्यक्ति की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश में बीते 24 घंटे के दौरान विजयवाड़ा समेत विभिन्न भागों में निरंतर बारिश हुई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। विजयवाड़ा के नगर आयुक्त ए. एम. ध्यानचंद्र ने कहा कि गुनादाला पहाड़ी क्षेत्र में हुईं भूस्खलन की घटनाओं में एक व्यक्ति की मौत हो गई। ध्यानचंद्र ने शनिवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया, गुनादाला में एक मकान भूस्खलन की चपेट में आ गया। एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि हुई है और हम मलबा हटाकर यह देख रहे हैं कि उसके नीचे कोई और शव तो नहीं है।

शनिवार सुबह 8:30 बजे से पिछले 24 घंटे के दौरान विजयवाड़ा शहर में 18 सेंटीमीटर बारिश हुई। शहर में शनिवार को भी बारिश होती रही। नगर आयुक्त ने कहा कि शहर में 22 स्थान प्रभावित हुए हैं, जहां नागरिक निकाय की टीमें बारिश के पानी का रुख मोड़ने के लिए तड़के चार बजे से काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि कुछ वार्ड में बारिश का पानी घरों में भी घुस गया है। उन्होंने कहा कि लगातार बारिश होने से राहत अभियान प्रभावित हो रहा है। इस बीच, ध्यानचंद्र ने कहा कि प्रभावित लोगों के रहने के लिए शहर के सभी समुदाय भवन खोल दिए गए हैं। उनके लिए भोजन और पीने के पानी की व्यवस्था की गई है। विजयवाड़ा के अलावा, मछलीपट्टनम में भी 18 सेंटीमीटर (सेमी) बारिश हुई। वहीं, गुडीवाड़ा मे 17 सेमी, कैकालुरु मे 15 सेमी, नरसापुरम में 14 सेमी, अमरावती में 13 सेमी, मंगलागिरी में 11 सेमी और नंदीगामा व भीमावरम मे 11-11 सेमी बारिश हुई। मौसम विभाग द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, राज्य में कई अन्य स्थान पर 1 से 9 सेमी के बीच वर्षा दर्ज की गई।

महिलाओं को सुरक्षित वातावरण देना केंद्र की सर्वोच्च प्राथमिकता: केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने शनिवार को कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाना और उन्हें सुरक्षित वातावरण प्रदान करना केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई ठोस कदम उठाए हैं। हालांकि, इन योजनाओं का लाभ उठाना और इन्हें लागू करना राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है। केंद्रीय मंत्री हर साल सितंबर में मनाए जाने वाले राष्ट्रव्यापी पोषण माह के सातवें संस्करण का उद्घाटन करने के बाद महात्मा मंदिर में सभा को संबोधित कर रही थीं। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और राज्य की महिला एवं बाल कल्याण मंत्री भानुबेन बाबरिया भी उपस्थित थीं। देवी ने कहा, महिलाओं को सशक्त बनाना और उन्हें सुरक्षित वातावरण प्रदान करना भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई ठोस कदम उठाए हैं। लेकिन राज्य सरकारों की भी जिम्मेदारी है कि वे इसका लाभ उठाएं और इन योजनाओं को लागू करें।

शिवाजी की प्रतिमा गिरना महाराष्ट्र पर है एक धब्बा : पृथ्वीराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। वरिष्ठ कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने शनिवार को कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का गिरना महाराष्ट्र पर एक धब्बा है तथा यह राज्य सरकार के भ्रष्ट तौर-तरीकों को दर्शाता है।

कांग्रेस की यहां हुयी एक बैठक के बाद चव्हाण ने संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश की महायुति सरकार पर राज्य को 'पूर्ण दिवालिएपन' की ओर धकेलने का आरोप लगाया और दावा किया कि राज्य की प्रति व्यक्ति आय में लगातार गिरावट आ रही है। शुक्रवार को पालघर की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने पर पूर्व मराठा शासक एवं इस घटना से आहत लोगों से माफ़ी मांगी थी। शिवाजी महाराज की 35 फुट की यह प्रतिमा 26 अगस्त को गिर गई थी। प्रधानमंत्री ने चार दिसंबर, 2023 को नौसेना दिवस के अवसर पर इस प्रतिमा का अनावरण किया था।

मोदी के माफी मांगने की चर्चा करते हुए चव्हाण ने कहा, '' यह राजनीतिक एवं सशर्त माफी थी। प्रतिमा का गिरना भ्रष्टाचार का एक स्पष्ट मामला है। यह प्रतिमा कांस्य से बनायी जाने वाली थी लेकिन उसके स्थान पर 3डी मुद्रित प्रतिमा का इस्तेमाल किया गया और उसे नट-बोल्ट से जोड़ा गया। मूर्तिकार अनुभवहीन था। प्रतिमा गिरने की यह घटना राज्य की प्रतिष्ठा पर एक धब्बा है।'' उन्होंने कहा, '' दोषियों की पृष्ठभूमि चाहे जो भी हो, इन लोगों को उनके किए की सज़ा मिलनी चाहिए।'' राज्य की वित्तीय स्थिति को लेकर उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की आलोचना की।

शिवसेना के मंत्री की टिप्पणी से उपजे विवाद पर अजित ने कहा: मैं लोगों के लिए काम करता हूं

नागपुर (महाराष्ट्र)/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष अजित पवार ने अपनी पार्टी के खिलाफ शिवसेना के मंत्री तानाजी सावंत की टिप्पणियों से उपजे विवाद को शनिवार को थामने की कोशिश करते हुए कहा कि वह लोगों के लिए काम करते हैं और आलोचना पर ध्यान नहीं देते हैं। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री सावंत ने हाल में धाराशवि में कहा था कि कैबिनेट की बैठक में वह राकांपा नेताओं की बगल में बैठते हैं, लेकिन बाहर आने के बाद उन्हें उल्टी आने जैसा महसूस होता है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना और अजित पवार की राकांपा राज्य में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में साझेदार हैं। सावंत की टिप्पणी ने सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर दरार को उजागर कर दिया और राकांपा ने पलटवार करते हुए कहा कि ऐसे बयानों को सुनने से बेहतर है कि गठबंधन छोड़ दिया जाए। सावंत की टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर अजित पवार ने नागपुर हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा, ''मैंने 'जनसम्मान यात्रा' की शुरुआत में फैसला किया था कि मैं किसी की भी आलोचना या किसी के खिलाफ टिप्पणी नहीं करना चाहता। अगर कोई मेरे खिलाफ बोलता है तो मेरे लिए यह मायने नहीं रखता। मैं अपने काम और लोगों के लिए काम करने पर यकीन रखता हूं।'' महायुति गठबंधन के सीटों के बंटवारे पर बातचीत के संबंध में एक सवाल पर पवार ने कहा, ''गठबंधन के तीनों सहयोगी दलों के नेता एक संवाददाता सम्मेलन करेंगे और सीटों के बारे में मीडिया को सूचित करेंगे।'' इससे पहले, पवार ने दीक्षाभूमि का दौरा किया जहां डॉ. बी आर आंबेडकर ने बौद्ध धर्म अपनाया था।

अगले हफ्ते अमेरिका की यात्रा पर होंगे राहुल, छात्रों, कारोबारियों और भारतीय समुदाय से करेंगे संवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अगले सप्ताह अमेरिका के तीन दिवसीय दौरे पर होंगे जहां वह भारतीय मूल के लोगों, छात्रों, कारोबारियों, 'थिंक टैंक' और स्थानीय नेताओं के साथ संवाद करेंगे।

कांग्रेस की इकाई इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा ने शनिवार को एक वीडियो जारी कर राहुल गांधी के अमेरिकी दौरे के बारे में जानकारी साझा की। पित्रोदा ने बताया कि राहल गांधी आठ सितंबर को अमेरिका के डलास शहर में होंगे और 9 तथा 10 सितंबर को वाशिंगटन में रहेंगे। नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद राहुल गांधी का यह पहला अमेरिका दौरा होगा। पित्रोदा ने कहा, राहुल गांधी जबसे नेता प्रतिपक्ष बने हैं तबसे मेरे पास भारतीय मूल के लोगों, राजनयिकों, शिक्षाविदों, नेताओं, कारोबारियों, अंतरराष्ट्रीय मीडिया की ओर से बड़े पैमाने पर आग्रह आ रहे हैं कि वे राहुल गांधी से बातचीत करना चाहते हैं। वह एक संक्षिप्त दौरे पर अमेरिका पहुंच रहे हैं।

उनके मुताबिक, डलास में राहुल गांधी टेक्सास विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षाविदों से संवाद करेंगे। उनका स्थानीय भारतीय समुदाय तथा कुछ 'टेक्नोक्रेट' से भी मिलने का कार्यक्रम है। वह डलास क्षेत्र के नेताओं के साथ रात्रिभोज भी करेंगे। पित्रोदा ने कहा, अगले दिन हम वॉशिंगटन डीसी पहुंचेंगे जहां हमारी योजना विभिन्न लोगों से संवाद की है।''

डॉक्टरों और अस्पतालों के खिलाफ हिंसा पर आईएमए ने फिर केंद्रीय कानून बनाने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। आईएमए ने राष्ट्रीय टास्क फोर्स (एनटीएफ) को पत्र लिखकर डॉक्टरों और अस्पतालों के खिलाफ हिंसा पर एक केंद्रीय कानून बनाने और अस्पतालों को सुरक्षित क्षेत्र घोषित करने की मांग की है।

एनटीएफ को स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रोटोकॉल तैयार करने का दायित्व सौंपा गया है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने अपने पत्र में कहा कि उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय सहमति बनाने और सभी हितधारकों के परामर्श से प्रोटोकॉल तैयार करने के लिए एनटीएफ का गठन किया है। उसने अपने पत्र में तीन खंडों में अपनी प्रस्तुति तैयार की। हाल ही में कोलकाता के सरकारी आर जी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार एवं हत्या की घटना के बाद उच्चतम न्यायालय ने एनटीएफ का गठन किया था। केंद्रीय अधिनियम की मांग को उचित ठहराते हुए आईएमए ने अपने पत्र में कहा कि स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं बुनियादी ढांचे और मानव संसाधन दोनों के लिहाज से अलग-अलग होती हैं। उसने कहा, एकमात्र निवारक रणनीति जो सभी स्तरों पर तथा सभी राज्यों में लागू की जा सकती है, वह है केन्द्रीय कानून में निवारक उपाय। ऐसे कानून के अभाव में पुलिस द्वारा आधे-अधूरे मन से कार्रवाई की जाती है तथा घटनाओं की जांच और अभियोजन भी कम होता है।

भारत अपने प्रचुर जैव-संसाधनों के कारण जैव-विनिर्माण क्रांति का नेतृत्व करेगा: जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने शनिवार को कहा कि जैव-विनिर्माण वैश्विक अर्थव्यवस्था के भविष्य को आकार देगा और भारत अपने प्रचुर जैव-संसाधनों के कारण इस क्रांति का नेतृत्व करने के लिए अच्छी स्थिति में है।

सिंह ने कहा, ''भारत के पास अगली बड़ी क्रांति का नेतृत्व करने का अवसर है, जो जैव-विनिर्माण पर आधारित होगी। जहां पश्चिम ने आईटी क्रांति का नेतृत्व किया, वहीं भारत अपने विशाल और बड़े पैमाने पर अप्रयुक्त जैव-संसाधनों के साथ नेतृत्व करने के लिए तैयार है।'' उन्होंने कहा कि जैव-विनिर्माण जलवायु परिवर्तन, संसाधनों की कमी और प्रदूषण जैसी वैश्विक चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करता है। सिंह ने कहा कि इससे खाद्यान्न और ईंधन की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी और नए रोजगार भी सृजित होंगे। भारत वर्तमान में अधिकांश कच्चा तेल आयात करता है, लेकिन बायोमास और कार्बन डाइऑक्साइड का उपयोग करके जैव-विनिर्माण देश को ईंधन उत्पादन में अधिक आत्मनिर्भर बना सकता है। मंत्री ने कहा कि यह गैर-डेरी दूध विकल्पों के माध्यम से डेरी उद्योग को समर्थन दिया जा सकता है, जिससे संसाधन स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा।

'राष्ट्रीय मजबूरी' में कांग्रेस ने नेशनल कांफ्रेंस के साथ किया गठबंधन : तारिक हमीद कर्रा

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने शनिवार को कहा कि पार्टी केंद्र शासित प्रदेश के विधानसभा चुनाव में सभी 90 सीट पर अपने दम पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार है लेकिन ''राष्ट्रीय मजबूरी'' की वजह से नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन किया गया है। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन जम्मू-कश्मीर के लोगों की स्थिरता और बेहतरी के लिए बनाया गया है।

नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस ने सोमवार को सीट बंटवारे को अंतिम रूप दे दिया। इसके तहत दोनों पार्टियां क्रमश: 51 और 32 सीट पर अपने-अपने उम्मीदवार उतारेंगी।

कर्रा ने कहा, ''भविष्य में कांग्रेस और मजबूत होगी। गठबंधन को लेकर हमारी कुछ मजबूरियां थीं, गठबंधन राष्ट्रीय भावना और राष्ट्रीय मजबूरी की वजह से बनाया गया। अगर गठबंधन के मापदंडों का पालन नहीं किया गया होता तो कांग्रेस सभी 90 सीट पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार थी।''

सरकारी खर्च, एमसीसी में कमी के कारण जीडीपी वृद्धि में घटी: आरबीआई गवर्नर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने के मद्देनजर सरकारी खर्च में कमी होने से अप्रैल-जून तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि दर घटकर 15 महीने के निचले स्तर 6.7 प्रतिशत पर आ गई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शनिवार को यहां यह बात कही।

आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही के लिए 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया था। दास ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''रिजर्व बैंक ने पहली तिमाही के लिए 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया था। हालांकि, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के पहले अग्रिम अनुमान के आंकड़ों में वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत रही।'' उन्होंने कहा कि जीडीपी वृद्धि के लिए जिम्मेदार घटकों और मुख्य चालकों जैसे उपभोग, निवेश, विनिर्माण, सेवाओं और निर्माण ने सात प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की है। आरबीआई गवर्नर ने बताया कि केवल दो पहलुओं ने वृद्धि दर को थोड़ा नीचे खींच दिया है और ये हैं- सरकारी (केंद्र और राज्य दोनों) व्यय तथा कृषि। उन्होंने कहा कि पहली तिमाही के दौरान सरकारी व्यय कम रहा और शायद चुनाव (अप्रैल से जून) तथा आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण ऐसा हुआ। दास ने कहा, ''हमें उम्मीद है कि आने वाली तिमाहियों में सरकारी व्यय बढ़ेगा और वृद्धि को आवश्यक समर्थन मिलेगा।'' इसी तरह, कृषि क्षेत्र ने अप्रैल से जून की तिमाही में लगभग दो प्रतिशत की न्यूनतम वृद्धि दर दर्ज की है। उन्होंने कहा कि मानसून बहुत अच्छा रहा है और इसलिए कृषि क्षेत्र के बारे में हर कोई आशावादी और सकारात्मक है। गवर्नर ने जोर देकर कहा, ''इन हालात में, हमें पूरा विश्वास है कि आरबीआई के अनुमान के मुताबिक 7.2 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर आने वाली तिमाहियों में संभव होगी।''

अगले पांच सालों में 10 नये आयुष संस्थान खोले जायेंगे: स्वास्थ्य राज्य मंत्री

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव ने घोषणा की है कि पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली के विस्तार के लिए अगले पांच सालों में 10 नये आयुष संस्थान खोले जायेंगे। केंद्रीय आयुष (स्वतंत्र प्रभार) एवं स्वास्थ्य राज्यमंत्री जाधव ने शुक्रवार को यहां अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में अपने दौरे के दौरान यह बात कही। आयुष मंत्रालय के बयान के अनुसार जाधव ने पूरे परिसर का निरीक्षण किया तथा वहां की सुविधाओं एवं मरीजों का किये जा रहे उपचार की समीक्षा की। बयान के मुताबिक अपने संबोधन में उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनकी सरकार आयुर्वेद को हर घर तक पहुंचाने की प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी कोशिश को पूरा करने के लिए कटिबद्ध है।

गोमांस ले जाने के संदेह में ट्रेन में बुजुर्ग की पिटाई, वीडियो वायरल

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के नासिक जिले में इगतपुरी के समीप एक एक्सप्रेस ट्रेन में गोमांस ले जाने के संदेह में एक बुजुर्ग व्यक्ति की उसके सहयात्रियों ने कथित तौर पर पिटाई कर दी। जीआरपी ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि इस सप्ताह की शुरुआत में हुई कथित घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद जीआरपी ने जांच शुरू कर दी है। वीडियो में एक दर्जन लोग ट्रेन के अंदर व्यक्ति पर हमला करते और उसे गालियां देते नजर आ रहे हैं। जीआरपी के अनुसार, जलगांव जिले के हाजी अशरफ मुन्यार कल्याण में बेटी के घर जा रहे थे, तभी इगतपुरी के सहयात्रियों ने कथित तौर पर इस संदेह में उनकी पिटाई कर दी कि वह गोमांस ले जा रहे हैं। अधिकारी ने कहा, ''हमने वीडियो का संज्ञान लिया है और पीड़ित की पहचान कर ली गई है। हमले में शामिल कुछ लोगों को भी चिह्नित कर लिया गया है।''

भूकंपीय तरंगों की ध्वनि से हुआ खुलासा, पृथ्वी के अंतर्भाग में मौजूद है एक गोलाकार क्षेत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कैनबरा। हमारे कदमों से लगभग 2,890 किलोमीटर नीचे तरल धातु का एक विशाल गोला है, जिसे हमारे ग्रह यानी पृथ्वी का अंतर्भाग कहा जाता है। मेरे जैसे वैज्ञानिकों ने भूकंप के कारण उठने वाली भूकंपीय तरंगों का इस्तेमाल एक तरह के 'अल्ट्रासाउंड' के तौर पर किया और यह देखा कि पृथ्वी के अंतर्भाग का आकार और ढांचा कैसा होता है।

इन तरंगों के अध्ययन का एक नया तरीका इस्तेमाल करते हुए मेरे साथी शियाओलोंग मा और मैंने एक चौंकाने वाली खोज की कि भूमध्य रेखा के चारों ओर, पृथ्वी के अंतर्भाग का एक बड़ा गोलाकार क्षेत्र है। यह सैंकड़ों किलोमीटर चौड़ा है जहां भूकंपीय तरंगें अंतर्भाग के शेष हिस्से की तुलना में दो प्रतिशत धीमी गति से यात्रा करती हैं।

हमारा मानना है कि इस क्षेत्र में 'सिलिकॉन' और 'ऑक्सीजन' जैसे अधिक हल्के तत्व हैं। यह क्षेत्र पृथ्वी के अंर्तभाग में तरल धातु की अनेक तरंगों के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है, जिनसे पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र बनता है। हमारे अध्ययन के निष्कर्ष 'साइंस एडवांसेज' नामक पत्रिका में प्रकाशित हुए हैं। भूकंप से उत्पन्न भूकंपीय तरंगों के अधिकांश अध्ययनों के दौरान बड़ी और प्रारंभिक तरंगों पर गौर किया जाता है, जो भूकंप के बाद दुनिया भर में यात्रा करती हैं। हमें पता चला कि हम 'कोडा' के नाम से जाने जाने वाले इन तरंगों के बाद के हल्के हिस्से पर गौर करके कुछ नया जान सकते हैं। भूकंपीय तरंग के 'कोडा' हिस्से का जब अंत होता है, तो इससे एक ध्वनि निकलती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
FLATS FOR SALE
DNR HIGHLINE
@ OKALIPURAM
near LULU Mall
Rajajinagar
Centre of the City
3 & 4 Bedroom
FLATS with 7 Star
Luxurious Amenities
Only Few Flats
available for Sale
Contact : 9844027560

सरकार को हर धर्म की रक्षा करनी चाहिए : अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को यहां कहा कि भारत विविधता में एकता के लिए जाना जाता है और सरकारों को हर धर्म की रक्षा करनी चाहिए। असम विधानसभा में शुक्रवार को मुस्लिम विधायकों को दिए जाने वाले दो घंटे के नमाज अवकाश को खत्म किये जाने की घोषणा के बाद नेकां नेता का यह बयान आया है।

अब्दुल्ला ने कहा कि कुछ भी स्थायी नहीं है और समय आने पर चीजें बदल जाएंगी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा था कि राज्य विधानसभा मुस्लिम विधायकों को नमाज अदा करने की सुविधा देने के लिए शुक्रवार को दिए जाने वाले दो घंटे के अवकाश को खत्म कर देगी और यह नियम अगले सत्र से लागू होगा। अब्दुल्ला ने कहा, ''यह देश विविधता में एकता के लिए जाना जाता है। हमारे यहां हर धर्म और हर भाषा है, चाहे वह तमिलनाडु हो, कश्मीर हो, बंगाल हो या महाराष्ट्र, कोई भी राज्य, हर राज्य की एक अलग संस्कृति है और इसलिए भारत एक संघीय ढांचा है और हमें हर धर्म की रक्षा करनी है।'' उन्होंने कहा, ''जब समय आएगा, तो यह बदल जाएगा। कुछ भी स्थायी नहीं है। अच्छी चीजें फिर से प्रबल होंगी। अब्दुल्ला ने कहा, ''हम उनसे कहेंगे कि हमारी सरकार आने दीजिए, ऐसी हरकतें मत कीजिए।'' उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों को भी हर धर्म के लोगों का सम्मान करना चाहिए और उनकी रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमें हर धर्म के लोगों का ख्याल रखना होगा। जब उनके प्रति हमारा दृष्टिकोण अच्छा होगा, तो पूरे देश में अच्छा होगा।''

कांग्रेस ने राज्यपाल गहलोत के खिलाफ 'राज भवन चलो' मार्च निकाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि राज्यपाल पद के कथित दुरुपयोग के खिलाफ कांग्रेस ने 'राज भवन चलो' मार्च आयोजित किया। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष शिवकुमार ने कहा कि इस मार्च का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि राज भवन किसी राजनीतिक दल का कार्यालय न बने।

उपमुख्यमंत्री ने कहा, 'मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि हमने 'राज भवन चलो' मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की ओर से आयोजित नहीं किया। यह मामला अदालत के विचाराधीन है...।'' उन्होंने कहा, ''राज भवन चलो मार्च यह सुनिश्चित करने के लिए है कि राज्यपाल का कार्यालय किसी पार्टी का कार्यालय न बने। हम इस संवैधानिक पद की शुचिता की रक्षा करने की मांग को लेकर राजभवन जा रहे हैं।'' शिवकुमार ने कहा कि कुछ व्यक्तियों पर मुकदमा चलाने की अनुमति मांगने के लिए कई याचिकाएं राज्यपाल के समक्ष लंबित हैं।

तख्तियां, बैनर, पोस्टर लिए और राज्यपाल थावरचंद गहलोत की निंदा करते हुए नारे लगाते हुए शिवकुमार के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं ने मार्च निकाला। इसमें कई मंत्री, कांग्रेस विधायक और सांसद शामिल हुए। बाद में उन्होंने गहलोत को एक ज्ञापन भी सौंपा। इससे पहले, सिद्दरामय्या, उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों, कांग्रेस विधायकों और सांसदों ने यहां विधान सौधा परिसर पर गांधी प्रतिमा के समीप धरना प्रदर्शन किया। कांग्रेस राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूमि आवंटन में कथित घोटाले की जांच किए जाने और मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या पर मुकदमा चलाने की मंजूरी दिए जाने के खिलाफ प्रदर्शन कर रही है। सिद्दरामय्या की पत्नी पार्वती पर एमयूडीए द्वारा उनकी जमीन के 'अवैध अधिग्रहण' के एवज में महंगी दर पर वैकल्पिक भूखंड प्राप्त करने का आरोप है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया है कि राज्य में कांग्रेस सरकार को अस्थिर' करने के लिए राज्यपाल पद का दुरुपयोग किया गया है। सिद्दरामय्या ने गहलोत पर भेदभाव करने का भी आरोप लगाया है। इस अवसर पर मंत्री जी.परमेश्वर, रामलिंगा रेड्डी, डी.सुधाकर, एच.के. पाटिल, बोसाराजू, शरणप्रकाश पाटिल, जमीर अहमद, ईश्वर खंड्रे, वेंकटेश, एसएस मल्लिकार्जुन दिनेश गुंडुराव, विधायक शिवलिंगेगौड़ा, प्रदीप ईश्वर, नयना मोटाम्मा, कंपली गणेश, बेलूर गोपालकृष्ण, विधान परिषद सदस्य यू. बी वेंकटेश, सुधम दास, इवान डिसूजा, सांसद श्रेयस पटेल, वरिष्ठ नेता वीरप्पा मोइली, एमआर सीतारम, वीएस उगरप्पा, आरवी देशपांडे और अन्य नेता मौजूद थे।

राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 16 अगस्त को तीन सामाजिक संस्थाओं की याचिकाओं में उल्लिखित कथित अपराधों के लिए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 के तहत मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दी थी।

मुख्यमंत्री के खिलाफ आरोप के मामले में राज्यपाल मंत्रिपरिषद की सलाह पर निर्भर नहीं : सॉलिसिटर जनरल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17(ए) के अनुसार, कोई भी पुलिस अधिकारी किसी लोक सेवक द्वारा किये गए कथित अपराध की जांच इस अधिनियम के तहत नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि हालांकि, यह भारतीय न्याय संहिता या भारतीय दंड संहिता की बात नहीं करता।

बेंगलूरु। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने शनिवार को कहा कि जब मुख्यमंत्री के खिलाफ आरोप हो, तो राज्यपाल को मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। मेहता, राज्यपाल थावरचंद गहलोत की ओर से कर्नाटक उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना के समक्ष पेश हुए। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) में कथित भूखंड आवंटन घोटाले की जांच और मुकदमा चलाने के लिए राज्यपाल द्वारा दी गई मंजूरी को रद्द करने का अनुरोध करते हुए याचिका दायर की थी।

मुडा घोटाला विभिन्न लोगों को वैकल्पिक भूखंड के अवैध आवंटन से संबंधित है। आरोप है कि सिद्दरामय्या की पत्नी भी इसकी लाभार्थी हैं। हालांकि, सिद्धारमैया ने इन आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया है। अदालत में दायर याचिकाओं के आधार पर, राज्यपाल ने मुख्यमंत्री के खिलाफ जांच और मुकदमा चलाने की अनुमति दी है। अदालत ने मामले की सुनवाई सोमवार के लिए निर्धारित कर दी। मेहता ने कहा कि राज्यपाल केवल यह कह सकते हैं कि प्रथम दृष्टया आपराधिक मामला बनता है, लेकिन आखिरकार जांच अधिकारी यह तय करेंगे कि किस प्रावधान के तहत आरोप पत्र दाखिल किया जाएगा। मेहता ने कहा कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17(ए) के अनुसार, कोई भी पुलिस अधिकारी किसी लोक सेवक द्वारा किये गए कथित अपराध की जांच इस अधिनियम के तहत नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि हालांकि, यह भारतीय न्याय संहिता या भारतीय दंड संहिता की बात नहीं करता। उन्होंने स्पष्ट किया, मेरा कहना है कि यह केवल आरोप है। इस पर अभी निर्णय लिया जाना बाकी है और राज्यपाल को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए पर निर्णय लेना है।

मेहता ने कहा, राज्यपाल केवल यह कहेंगे कि प्रथम दृष्टया आपराधिक मामला बनता है और यह जांच अधिकारी तय करना है कि किस प्रावधान के तहत आरोप पत्र (यदि कोई हो) दाखिल किया जाएगा, क्योंकि जांच के परिणामस्वरूप आरोप पत्र दाखिल किया जा सकता है या क्लोजर रिपोर्ट' दाखिल की जा सकती है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि आरोप पत्र दाखिल किये जाने की स्थिति में, जांच अधिकारी विशिष्ट आरोपों के लिए लागू प्रावधानों का ब्योरा देने वाले रिकॉर्ड की सामग्री के आधार पर स्वतंत्र रूप से अपना निर्णय लेंगे। सॉलिसिटर जनरल ने कहा, राज्यपाल के तौर पर मुझे यह देखना होगा कि क्या शिकायत और पेश किये गए दस्तावेज एक संज्ञेय अपराध का मामला बनाते हैं, जिसकी जांच की आवश्यकता हो। इसका परिणाम आरोप पत्र या क्लोजर रिपोर्ट हो सकती है, लेकिन यह निर्णय लेने की अनुमति राज्यपाल को नहीं है। राज्यपाल यह नहीं कह सकते कि मैंने जांच की है और गंभीर प्रकृति का संज्ञेय अपराध का मामला बनता है।

उनके अनुसार, राज्यपाल प्रथम दृष्टया मामले के आधार पर ही निर्णय लेंगे कि इसकी जांच किसी जांच एजेंसी से कराने की जरूरत है या नहीं।

बेंगलूरु जा रही इंडिगो की उड़ान इंजन में गड़बड़ी के बाद आपात स्थिति में कोलकाता में उतरी : अधिकारी

बेंगलूरु/कोलकाता। कोलकाता हवाई अड्डे से शुक्रवार रात बेंगलूरु के लिए रवाना होने के कुछ ही मिनट बाद इंजन में तकनीकी खराबी आ जाने के चलते इंडिगो की एक उड़ान को आपात स्थिति में यहां उतरना पड़ा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इंडिगो की उड़ान 6ई0573 कोलकाता के नेताजी सुभाषचंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय (एनएससीबीआई) हवाई अड्डे से रात 10 बजकर 36 मिनट पर बेंगलूरु के लिए रवाना हुई थी लेकिन बाएं इंजन में तकनीकी खराबी आ जाने के कारण रात 10 बजकर 53 मिनट पर उसे आपात स्थिति में लौटना पड़ा।

भारतीय विमानपत्तनम प्राधिकरण के प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि इस दौरान आग लगने या चिंगारी निकलने की घटना नहीं हुई। उन्होंने बताया कि 10 बजकर 39 मिनट पर घोषित की गयी आपात स्थिति रात 11 बजकर आठ मिनट पर वापस ले ली गयी।

प्रवक्ता ने बताया कि एनएससीबीआई हवाई अड्डे के दोनों रनवे को हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) को सौंप दिया गया है ताकि उन्हें विमान को सुरक्षित रूप से उतरने के लिए उपलब्ध कराया जा सके।

डी के सुनील ने एचएएल के सीएमडी का अतिरिक्त प्रभार संभाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) में इंजीनियरिंग, अनुसंधान और विकास के निदेशक डॉ डी के सुनील ने एक सितंबर, 2024 से कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) का अतिरिक्त प्रभार ग्रहण किया है। वह सी बी अनंतकृष्णन की जगह लेंगे। अधिकारियों ने शनिवार को जानकारी देते हुए कहा कि सुनील 1987 में एचएएल में प्रबंधन प्रशिक्षु के रूप में शामिल हुए। वे कंपनी में विभिन्न भूमिकाओं में लगभग 37 वर्षों का अनुभव रखते हैं। इस दौरान कंपनी में उन्होंने डिजाइन, उत्पादन, गुणवत्ता वृद्धि और ग्राहक सहायता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

एचएएल ने एक बयान में कहा, उनके नेतृत्व में रडार पावर सप्लाई, वॉयस एक्टिवेटेड कंट्रोल सिस्टम, कंबाइंड इंट्रोगेटर ट्रांसपोंडर जैसी नई तकनीकें विकसित की गईं, जो कंपनी के लिए नए वृद्धि क्षेत्र बन गए हैं। सुनील ने डेटालिंक्स के लिए आईआईटी कानपुर और वॉयस रिकग्निशन तकनीकों के लिए आईआईआईटी हैदराबाद जैसे संस्थानों के साथ साझेदारी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके दूरदर्शी दृष्टिकोण ने अत्याधुनिक तकनीकों में एचएएल की स्थिति को मजबूत किया।

डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-नागरकोइल और मदुरै-बेंगलूरु छावनी वंदे भारत एक्सप्रेस को दक्षिण रेलवे में हरी झंडी दिखाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज 31 अगस्त को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल और नागरकोइल तथा मदुरै और बेंगलूरु छावनी के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की उद्घाटन सेवाओं को हरी झंडी दिखाई। प्रधानमंत्री ने मेरठ-लखनऊ वंदे भारत एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव, सांसद, अन्य निर्वाचित प्रतिनिधि इस कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से शामिल हुए।

चेन्नई एग्मोर-नागरकोइल वंदे भारत स्पेशल ट्रेन को डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। प्रधानमंत्री ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से चेन्नई एग्मोर-नागरकोइल वंदे भारत एक्सप्रेस की उद्घाटन विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल में, तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि, सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय मामलों के केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन, तमिलनाडु सरकार के परिवहन, राष्ट्रीयकृत परिवहन और मोटर वाहन अधिनियम मंत्री एस.एस. शिवशंकर, तमिलनाडु की पूर्व राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस समारोह में दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक आरएन सिंह, डीआरएम/चेन्नई विश्वनाथ बी. ईर्या तथा अन्य रेलवे अधिकारी, छात्र, रेल यात्री तथा आम जनता ने भाग लिया। ताम्बरम में सांसद टी.आर. बालू, विधायक एस.आर. राजा और महापौर के. वसंत कुमारी ने उद्घाटन सेवा का स्वागत किया।

राजधानी चेन्नई को खूबसूरत शहर नागरकोइल से जोड़ने वाली नई वंदे भारत एक्सप्रेस इस कॉरिडोर में सबसे तेज़ कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। इसके अलावा, यह त्रिची, मदुरै, डिंडीगुल और तिरुनेलवेली सहित प्रमुख औद्योगिक, व्यावसायिक और पर्यटन केंद्रों के लिए संपर्क बढ़ाएगी। नई सेवा तमिलनाडु के दक्षिणी जिलों में अपने गृह नगरों की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एक वरदान साबित होगी, खासकर सप्ताहांत, त्योहारों और छुट्टियों के दौरान। चेन्नई एग्मोर-नागरकोइल वंदे भारत एक्सप्रेस का नियमित परिचालन 2 सितंबर को चेन्नई एग्मोर से शुरू होगा और वापसी में नागरकोइल से होगा। इस सेवा की बुकिंग खुली है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने अमेरिका में एप्पल और माइक्रोसॉफ्ट के कार्यालयों का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने अमेरिका में एप्पल, गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियों के कार्यालयों का दौरा किया और उनके साथ निवेश एवं साझेदारी के अवसरों पर चर्चा की। उनकी अमेरिका यात्रा के दूसरे दिन, 'नान मुधलवन' योजना के अंतर्गत राज्य में 20 लाख युवाओं को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) संबंधी कौशल प्रदान करने के लिए गूगल के साथ साझेदारी की खातिर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

स्टालिन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''निवेश और साझेदारी के अवसरों पर चर्चा की। साझेदारी को मजबूत करने और तमिलनाडु को एशिया के प्रमुख विकास क्षेत्रों में से एक बनाने के लिए प्रतिबद्ध हूं।'' मुख्यमंत्री की उपस्थिति में, तमिलनाडु में एआई प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए गूगल के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

इस पहल से युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करने के अलावा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के साथ कार्य शुरू करने में मदद मिलेगी। यहां जारी एक सरकारी विज्ञप्ति में कहा गया है, मुख्यमंत्री ने 'माउंटेन व्यू' परिसर में गूगल के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की और तमिलनाडु में निर्मित पिक्सल- 8 फोन के उत्पादन के विस्तार तथा तमिलनाडु में अन्य गूगल उत्पाद एवं प्रौद्योगिकी सुविधाएं शुरू किए जाने पर चर्चा की। स्टालिन ने एआई नवाचारों के माध्यम से विकास को बढ़ावा देने, औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र की गतिशीलता और भविष्य की क्षमता के बारे में भी बात की। मुख्यमंत्री ने एप्पल इंक के कार्यालय का भी दौरा किया। स्टालिन ने तमिलनाडु को 'वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स' विनिर्माण मानचित्र में स्थान दिलाने के लिए कंपनी के अधिकारियों का आभार जताया। उन्होंने राज्य के विनिर्माण माहौल में सुधार के लिए तमिलनाडु सरकार की विभिन्न पहल को रेखांकित किया। मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य को और मजबूत किया जाएगा तथा इसे एशिया के विनिर्माण केंद्र में तब्दील किया जाएगा। उन्होंने एप्पल को तमिलनाडु में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया।

इस मौके पर उद्योग मंत्री टी. आर. बी. राजा और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री और मंत्री ने एप्पल के योगदान की सराहना की तथा राज्य के विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा की गई विभिन्न पहल की जानकारी दी।

पूरा फिल्म उद्योग जवाबदेह : मलयालम अभिनेता मोहनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। न्यायमूर्ति हेमा समिति की रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए अभिनेता मोहनलाल ने शनिवार को कहा कि उठाए गए सवालों के लिए पूरा उद्योग जवाबदेह है, लेकिन कलाकारों के संगठन को निशाना बनाया जा रहा है और हर चीज के लिए उसे दोषी ठहराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मलयालम सिनेमा बहुत बड़ा उद्योग है, जहां हजारों लोग काम करते हैं और कलाकारों का संगठन 'एसोसिएशन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट' (एएमएमए) वहां उठने वाले हर मुद्दे का समाधान नहीं कर सकता। अभिनेता ने संवाददाताओं से कहा कि सिनेमा समाज का हिस्सा है और जो अन्य जगहों पर हो रहा है, वही उद्योग में भी हो रहा है।

यह पहली बार है कि एएमएमए के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने वाले मोहनलाल समिति की रिपोर्ट जारी होने के बाद मीडिया को संबोधित कर रहे थे। इस रिपोर्ट में मलयालम फिल्म उद्योग में महिला पेशेवरों के कथित उत्पीड़न और शोषण पर प्रकाश डाला गया है। मोहनलाल ने कहा कि न्यायमूर्ति हेमा समिति की रिपोर्ट जारी होने के बाद लगाए गए आरोपों के मद्देनजर उनकी अध्यक्षता वाले संगठन की कार्यकारी समिति के सदस्यों ने हाल में इस्तीफा दे दिया।

रिपोर्ट के निष्कर्षों पर अपनी कथित देरी से प्रतिक्रिया को उचित ठहराते हुए मोहनलाल ने कहा कि वह कभी भी अपनी जिम्मेदारियों से नहीं भागे, लेकिन पिछले कुछ दिनों में मीडिया के सामने नहीं आ सके, क्योंकि वह अपनी व्यक्तिगत और व्यावसायिक प्रतिबद्धताओं के कारण राज्य से बाहर थे।

उन्होंने कहा कि वह पिछले 47 वर्षों से फिल्म उद्योग का हिस्सा रहे हैं और फिल्म उद्योग में दुर्भाग्यपूर्ण मुद्दों से संबंधित सवालों का जवाब देना उनके लिए दुखद है। उन्होंने कहा कि एक पेशेवर कलाकार के रूप में वह हेमा समिति के समक्ष दो बार गवाही दे चुके हैं और मीडिया में जो कुछ आया है, उसके अलावा उन्हें इसकी विषय-वस्तु के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

मोहनलाल ने कहा कि वह मलयालम फिल्म उद्योग में किसी भी ताकतवर समूह का हिस्सा नहीं हैं और उन्हें इस क्षेत्र में ऐसे किसी समूह के अस्तित्व के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

भेंट

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से राजभवन में शनिवार को गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने मुलाकात की। उन्होंने इस दौरान राज्यपाल को राम मंदिर और भगवान श्री राम का छाया चित्र भी भेंट किया। राज्यपाल बागड़े से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

राजस्थान के युवक ने टिहरी पंहुचकर लहराया तमंचा, पुलिस ने हिरासत में लिया

नई टिहरी/जयपुर। उत्तराखंड के टिहरी जिला मुख्यालय में बौराड़ी नगर पालिका कार्यालय के सामने शुक्रवार को एक दोपहिया वाहन के शोरूम में घुसकर राजस्थान के युवक ने तमंचे से गोली चला दी जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गयी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि गनीमत रही कि तमंचे से निकली गोली किसी को नहीं लगी जिससे कोई अप्रिय घटना टल गयी। घटना के बाद युवक मौके से भाग गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक किशोरी को लेकर राजस्थान के युवक देवेंद्र का दोपहिया वाहन के शोरूम में कार्यरत सेल्स प्रबंधक रजत से कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर विवाद चल रहा था जिससे बदला लेने के लिए वह टिहरी पहुंच गया। टिहरी के अपर पुलिस अधीक्षक जेआर जोशी ने बताया कि नई टिहरी पहुंचने के बाद दोपहर बाद करीब तीन बजे देवेंद्र शोरूम पहुंचा और वहां रजत से मिला।

उन्होंने बताया कि शोरूम में भी दोनों के बीच कहासुनी हो गयी जिसके बाद रजत वर्कशॉप में चला गया। उसके पीछे-पीछे देवेंद्र भी वर्कशॉप में घुस गया और उसे निशाना बनाकर गोली चला दी। उन्होंने बताया कि गोली रजत को नहीं लगी जिससे कोई हादसा होने से टल गया। गोली चलने की सूचना से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में लोग शोरूम के बाहर जुट गए।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जोधपुर में नाबालिगों से दुष्कर्म की घटनाओं पर जताई चिंता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर, । केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत शनिवार को जोधपुर पहुंचे। जोधपुर एयरपोर्ट पर पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस मौके पर मीडिया से बात करते हुए मंत्री शेखावत ने जोधपुर में हाल ही में नाबालिग के खिलाफ हुए अत्याचार पर गहरी चिंता जताई।

शेखावत ने कहा, जोधपुर में नाबालिगों के साथ हो रहे अत्याचार दुर्भाग्यपूर्ण हैं। इस तरह की घटनाएं बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं हैं। प्रशासन को इस मामले पर तुरंत संज्ञान लेना चाहिए और कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। अगर प्रशासन की तरफ से कोई चूक हुई है, तो इसके लिए जिम्मेदार किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाने चाहिए। मैंने प्रशासन और सरकार से अनुरोध किया है कि ऐसे अपराधियों को बख्शा नहीं जाए और उन्हें कड़ी सजा दी जाए।

इसके साथ ही, शेखावत ने हरियाणा में हो रहे आगामी चुनावों को लेकर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सभी चुनावों को गंभीरता के साथ लड़ती है। मुझे पूरा भरोसा है कि हरियाणा में डबल इंजन की सरकार ने पिछले 10 वर्षों में हरियाणा और देश में प्रगति की है। हरियाणा में भी बदलाव आया है, और मुझे विश्वास है कि भारतीय जनता पार्टी आगामी चुनावों में जीत हासिल करेगी। इसके बाद वह पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से मुलाकात करने के लिए कार्यालय के लिए रवाना हो गए। बता दें, इससे पहले हरियाणा के विधानसभा चुनाव को लेकर उम्मीदवारों के नाम पर अंतिम मुहर लगाने के लिए गुरुवार शाम को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की अध्यक्षता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में पार्टी के केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक हुई थी। हरियाणा में 90 सीटों पर एक अक्टूबर को चुनाव है। वोटों की गिनती 4 अक्टूबर को की जाएगी। हरियाणा विधानसभा का कार्यकाल 3 नवंबर 2024 को समाप्त होने वाला है।

दौसा और झालावाड़ में भारी बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में मानसूनी बारिश का दौर जारी है और बीते चौबीस घंटे में राज्य के दौसा व झालावाड़ जिले में कई जगहों पर भारी बारिश दर्ज की गई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे समाप्त हुई 24 घंटे की अवधि में राजस्थान में कुछ जगहों पर गरज के साथ बारिश हुई। पूर्वी राजस्थान के दौसा और झालावाड़ में कहीं-कहीं भारी वर्षा दर्ज की गई। मौसम केंद्र के मुताबिक, राहुवास (दौसा) में सबसे अधिक 101 मिलीमीटर पानी बरसा, जबकि चूरू, गंगानगर, बाड़मेर, जयपुर, धौलपुर और करौली में कई जगहों पर हल्के से मध्यम स्तर की बारिश हुई। मौसम केंद्र के अनुसार, राज्य में अगले सप्ताह मानसून एक बार फिर जोर पकड़ सकता है और कई जिलों में भारी बारिश होने की आशंका है।

पांचना बांध के दो गेट खोले

राजस्थान के भरतपुर जिले में बयाना के डांग क्षेत्र में शुक्रवार रात भारी बारिश और करौली के पांचना बांध से शनिवार सुबह दो गेट खोलकर भारी मात्रा में पानी की निकासी से लबालब भरे भरतपुर जिले के सबसे बड़े बांध बंध बारैठा के एक गेट खोलकर 251 क्यूसेक पानी की निकासी शुरू की गई है। इसी के साथ जिले के बयाना और रूपवास प्रशासन ने करीब एक दर्जन गांवों के लिये चेतावनी जारी की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कुल 29 फुट भराव क्षमता वाले बंध बारेठा में शनिवार सुबह जलस्तर 28 फुट तक पहुंचने पर पानी की निकासी शुरू की गयी। उल्लेखनीय है कि इससे पहले साल 2018 में भी बांध भरने पर गेट खोले गये थे। जल संसाधन विभाग के सूत्रों के अनुसार बाँध का गेज 27.5 फुट पर पहुंचने पर उसका गेट बंद कर पानी की निकासी रोक दी जायेगी। बताया गया कि बंध बारैठा से छोड़ा जा रहा पानी नहर, माइनर और कुकुन्द नदी के माध्यम से बंध बारैठा, नगला दूली, नगला ठोड़ा, कहार नगला, सूपा, नारौली, खेरिया, कोठीखेड़ा, पुराबाई खेड़ा, नदी गांव, ककलपुरा, खटका आदि गांवों से होकर सेवला हेड पर जाकर गंभीर नदी में मिलेगा। करीब छह वर्ष के अंतराल में बारैठा से छोड़े जा रहे पानी को लेकर उसके बहाव क्षेत्र के गांवों में खुशी का माहौल है।

राज्य सरकार प्रदेश में शिक्षा के सुदृढ़ीकरण के लिए प्रतिबद्ध : जोगाराम पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने शनिवार को ग्राम पंचायत धांधिया के ग्राम रेन्दड़ी में 75.53 लाख रूपए के विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। संसदीय कार्य मंत्री पटेल ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में शिक्षा के सुदृढ़ीकरण के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामवासी शिक्षा के मंदिर में जनसहयोग से अवसंरचनात्मक विकास के कार्य करवाएं, जिससे विद्यालय में शिक्षा का स्तर बेहतर हो सके। मंत्री जोगाराम ने कहा कि संचार प्रौद्योगिकी के युग में अभिभावक एवं शिक्षक बच्चों को मोबाइल के सदुपयोग एवं नकारात्मक विषयवस्तु के बारे में अवगत करवाएं।

पटेल ने कहा कि लूणी क्षेत्र में सभी सड़कों का प्राथमिकता के आधार पर क्रमिक रूप से सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा वर्षा ऋतु समाप्त होने पर स्वीकृत सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ किए जाएंगे। पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से प्रदेश में भी 'मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान' प्रारम्भ कर इस वर्ष 7 करोड़ पौधे लगाने का संकल्प लिया गया है।उन्होंने सभी से 'एक पेड़ मां के नाम' लगाने एवं उसकी देखभाल करने का आह्वान किया।

ग्राम रेन्दड़ी में 12.20 लाख रुपए की लागत से श्मशान घाट चारदीवारी एवं विकास कार्य,9.96 लाख रुपए की लागत से विद्यालय परिसर में खरंजा निर्माण, 45.37 लाख रुपए की लागत से रेन्दड़ी चौक में खरंजा निर्माण कार्य का लोकार्पण और राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय रेन्दड़ी में अतिरिक्त कक्षाकक्ष निर्माण कार्य का शिलान्यास हुआ। ग्रामवासियों ने बजट घोषणा में 2 करोड़ की लागत से लूणी से धांधिया तक सड़क मार्ग निर्माण की स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और मंत्री पटेल का आभार जताया। इस अवसर पटेल ने विधायक निधि से ग्राम पंचायत धांधिया के मुख्य द्वार एवं चारदीवारी निर्माण के लिए 7.00 लाख रूपए की अनुशंसा की।

जयपुर तेजी से प्रमुख बाजार के रूप में उभर रहा : अमेजन इंडिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन इंडिया ने कहा है कि जयपुर किराना, शिशु देखभाल, स्वास्थ्य और व्यक्तिगत देखभाल और पालतू जानवरों की देखभाल उत्पादों जैसी श्रेणियों में त्योहारी सत्र में आवश्यक वस्तुओं के लिए एक प्रमुख बाजार के रूप में उभरा है।

कंपनी के 'कंज्यूमेबल्स' खंड के निदेशक निशांत रमन ने कहा,जयपुर में उपभोक्ता मूंगफली का मक्खन, सूखे मेवे, घी, स्वास्थ्य बार, होम्योपैथिक उपचार और मल्टीविटामिन जैसे पौष्टिक उत्पादों का चयन कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, अमेजन मूंगफली के मक्खन के लिए सबसे ज्यादा इकाई बेचने वाला चौथा बाजार है, जबकि यहां के निवासी राष्ट्रीय औसत की तुलना में तीन गुना ज्यादा स्वास्थ्यवर्द्धक, होम्योपैथिक उपचार, मल्टीविटामिन खरीदते हैं। रमन ने कहा कि जयपुर कंपनी के लिए सबसे महत्वपूर्ण बाजारों में से एक है।

भाजपा के सदस्यता अभियान में होगा कार्यकर्ताओं का टेस्ट, अच्छा काम करने वालों का पार्टी करेगी सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिरोही। भाजपा के सदस्यता अभियान के तहत सिरोही के कृष्णगंज मंडल के कार्यकर्ताओं की बैठक रामपुरा स्थित वैधनाथ महादेव मंदिर परिसर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष कुपाराम देवासी ने की, जबकि राज्य मंत्री ओटाराम देवासी और सांसद लुम्बाराम चौधरी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।राजस्थान के मंत्री ओटाराम देवासी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के बजट को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि भाजपा सरकार के दौरान सभी वर्गों के लिए विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को सदस्य बनाने के लिए कार्यकर्ताओं का आह्वान किया और बताया कि श्रेष्ठ कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को पार्टी द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

सांसद लुम्बाराम चौधरी ने भाजपा कार्यकर्ताओं को पार्टी की रीढ़ बताते हुए कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए कार्यकर्ताओं का समर्पण आवश्यक है। मंडल अध्यक्ष कुपाराम देवासी ने बताया कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है और सभी वर्गों को साथ लेकर चलती है। उन्होंने प्रत्येक बूथ पर 200 सदस्य बनाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया। जिला उपाध्यक्ष अरुण ओझा और जिला सदस्यता अभियान के सहसंयोजक महिपाल सिंह चारण ने सदस्यता अभियान की जानकारी दी और बताया कि 18 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति, जो भाजपा के सिद्धांतों और अनुशासन का पालन करते हैं, वे नए सदस्य बन सकते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से लोगों को घर-घर जाकर जोड़ने और मोबाइल पर मिस कॉल देकर सदस्य बनाने की अपील की। मंच का संचालन मंडल महामंत्री बाबूसिंह माकरोड़ा ने किया। इस अवसर पर मंडल संयोजक हमीराराम मेघवाल, महामंत्री हितेश रावल, और अन्य प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे।

माइंस विभाग ने नागौर नरेन्द्र खटिक को घोषित किया जुलाई माह का बेस्ट परफोरमर ऑफिसर

जयपुर। माइंस विभाग ने परफोरमेंस के आधार पर माइनिंग इंजीनियर नागौर नरेन्द्र खटिक को जुलाई माह का बेस्ट परफोरमर अधिकारी घोषित किया है। निदेशक, खान एवं पेट्रोलियम भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि विभाग द्वारा नवाचार अपनाते हुए खान विभाग के 50 कार्यालयों में कार्य निष्पादन को लेकर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा स्थापित करते हुए प्रतिमाह माह बेस्ट परफोरमर अधिकारी घोषित करने का निर्णय किया है। चयन के लिए 100 अंकों की पूरी तरह से निष्पक्ष व ऑब्जेक्टिव प्रक्रिया अपनाई गई है। एमई नागौर नरेन्द्र खटिक को सर्टिफिकेट ऑफ एप्रिसियेशन जारी किया गया है। अतिरिक्त निदेशक जयपुर बीएस सोढ़ा के कार्यक्षेत्र ने लगातार दूसरी बार बाजी मारी है। जून माह में एएमई दौसा को बेस्ट परफोरमर अधिकारी घोषित किया गया था।

महर्षि दयानन्द की शिक्षाओं का अनुसरण करे तो भारत पुनः राष्ट्र गुरु बन सकता है : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय सांस्कृतिक संस्थान एवं प्रशिक्षण केन्द्र के निदेशक ओमप्रकाश शर्मा ने कहा है कि महर्षि दयानन्द सरस्वती की शिक्षाओं का अनुसरण करें, तो भारत पुनः राष्ट्र गुरु बन सकता है।

शर्मा शनिवार को यहां गुलाब बाग स्थित नवलखा महल में महर्षि दयानन्द सरस्वती की 200 वीं जयन्ती पर उनके जीवन पर आयोजित अन्तर्विद्यालयी नाट्य प्रतियोगिता के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज से लगभग 150 वर्ष पूर्व में तत्कालीन समाज सुधारक महर्षि दयानन्द सरस्वती ने बालिका शिक्षा, सती प्रथा उन्मूलन, महिलाओं को समान अधिकार प्रदान करने, गौ संवर्द्धन, छुआछूत उन्मूलन के लिये क्रान्तिकारी कार्य किये। उसी के फलस्वरूप आज हम देख रहे हैं कि महिलाओं को भी पुरुषों को समान अधिकार प्राप्त हों, तो वे किसी से कम नहीं हैं। आज महिलायें सर्वोच्च पदों पर आसीन हैं, और देश को गौरवान्वित कर रही हैं।

समारोह की अध्यक्षता करते हुये श्रीमद दयानन्द सत्यार्थ प्रकाश न्यास,उदयपुर के मंत्री भवानीदास आर्य ने कहा कि महर्षि दयानन्द सरस्वती की 200 वीं जयन्ती को भव्य रूप से मनाने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गयी है और उनकी जयन्ती को भव्य रूप में मनाया जा रहा है। इसी क्रम में नवलखा महल सांस्कृतिक केन्द्र की ओर से उदयपुर के विद्यालयों की अन्तर्विद्यालयी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। नवलखा महल सांस्कृतिक केन्द्र आर्य समाज की विश्व की सर्वाच्च संस्थाओं में से एक है।

इस अवसर न्यास के अध्यक्ष अशोक आर्य ने बताया कि श्रीमद दयानन्द सत्यार्थ प्रकाश न्यास, नवलखा महल, उदयपुर की ओर से विभिन्न प्रकल्प चलाये जा रहे हैं। यहां नवाचारों को देश के पुराने गौरव तथा संस्कृति के प्रति जागरुक करने के लिये 16 संस्कार वीथिका का निर्माण किया गया है। इन संस्कारों को इस प्रकार बनाया गया है कि ये मानो ये जीवन्त रूप में दिखाई देते हों। वहीं दूरस्थ सुदूर क्षेत्रों में वैदिक शिक्षाओं के प्रचार-प्रसार के लिये भी महत्वपूर्ण कार्य किये जा रहे हैं, ताकि नयी पीढ़ी हमारे देश की संस्कृति और गौरव का अनुसरण करती रहे।

प्रदेश में 140 किमी लंबाई की ग्रामीण सड़कें स्वीकृत, ग्रामीण अर्थव्यवस्था होगी मजबूत : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री दीया कुमारी ने प्रदेश में लगभग 150 करोड़ रू की लागत की लगभग 408 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों को मंजूरी प्रदान की है। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि बजट घोषणा 2024-25 की क्रियान्विति में यह स्वीकृति जारी की गई है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क नेटवर्क मज़बूत होने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मज़बूती मिलेगी। गांवों की शहरों से बेहतर कनेक्टिविटी होने से किसान अपने उत्पाद बड़े बाज़ारों में बेच सकेंगे, जिससे उन्हें बेहतर दाम मिलेंगे। इसके साथ ही वे सरकार की लोक कल्याणकारी सेवाओं चिकित्सा, शिक्षा आदि सेवाओं का बेहतर लाभ ले सकेंगे। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि इस स्वीकृति से नागौर ज़िले के खींवसर विधानसभा क्षेत्र में 27.81 करोड़ रू की लागत से 89.7 किमी लंबाई की, देवली उनियारा विधानसभा क्षेत्र में 40.37 करोड़ रू की लागत से 86.1 किमी लंबाई की, झुंझुंनू विधानसभा क्षेत्र में 26.32 करोड़ रू की लागत से 93.15 किमी लंबाई की, चौरासी विधानसभा क्षेत्र में 24करोड़ रू की लागत से 40.3 किमी लंबाई की ,मालपुरा विधानसभा क्षेत्र में 18.93 करोड़ रू की लागत से 29.73 किमी लंबाई की तथा टोंक विधानसभा क्षेत्र में 2.2करोड़ रू की लागत से 4.45 किमी लंबाई की ग्रामीण सड़कों को निर्माण करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त माण्डल भीलवाड़ा हरिपुरा चौराहे से देवगढ़ जिला राजसमंद तक की 62 किमी सड़क को फोर लेन करने की डीपीआर बनाने के लिए 2 करोड़, रामगंजमंडी रिंग रोड की डीपीआर के लिए 1.25 करोड़, प्रतापगढ़ के पश्चिमी भाग में बाइपास चित्तौड़गढ़ रोड से धरियावद रोड होते हुए बाँसवाड़ा रोड तक अर्द्धचंद्राकार रिंग रोड की डीपीआर के लिए एक करोड़, कोटड़ा से देवला रोड को चार लेन करने की डीपीआर लिए 1.25 करोड़, भरतपुर-अलवर मार्ग को चार लेन करने की डीपीआर के लिए 2 करोड़,मावली उदयपुर से नाथद्वारा वाया गुडली सड़क की डीपीआर के लिए एक करोड़ तथा कोटा-कैथून-धरनावदा सड़क का चौड़ाईकरण कर दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस वे के बालापुरा जंक्शन पर जोड़ते हुए बपावर-सांगौद-केथून में बायपास निर्माण की डीपीआर हेतु 2 करोड़ रू की राशि स्वीकृत की गई है।

चाकूबाजी में शामिल पांच छात्रों को किया निष्कासित

उदयपुर। उदयपुर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र में स्थित स्टेंडवर्ड स्कूल ने एक चाकूबाजी की घटना में शामिल पांच छात्रों को स्कूल से निष्कासित कर दिया है। यह घटना एक दिन पहले हुई, जब एक छात्र ने मामूली विवाद के चलते दूसरे छात्र पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे घायल छात्र के हाथ पर गंभीर चोटें आईं।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, स्कूल के बाहर छात्रों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ। विवाद के दौरान एक छात्र ने चाकू लाकर दूसरे छात्र के हाथ पर हमला कर दिया। इस हमले में छात्र के हाथ पर गंभीर चोटें आईं। हालिया दिनों में उदयपुर में एक छात्र की चाकू के वार से हत्या के बाद, पुलिस ने इस मामले को अत्यंत गंभीरता से लिया। प्रतापनगर थानाधिकारी भरत योगी ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली और तीन आरोपित छात्रों को डिटेन कर लिया।

भाजपा के कुशासन को कब तक सहेगा राजस्थान : गहलोत

जयपुर। महिला हिंसा के मामलों में बढ़ोतरी की खबरों का हवाला देते हुए पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने भाजपा पर निशाना साधा है। गहलोत ने कहा है कि राजस्थान में भाजपा ने महिला सुरक्षा पर नहीं सहेगा राजस्थान कैंपेन चलाया था।

पीएम मोदी ने तो राजस्थान की तुलना मणिपुर तक से कर दी थी और राजस्थान को बदनाम किया, लेकिन यहां भाजपा सरकार बनने के बाद जून तक पहले छह महीने में राजस्थान में महिलाओं के विरुद्ध अपराध लगातार बढ़े हैं। मीडिया में छपी खबरों के हिसाब से 2023 की तुलना में महिला अपहरण के मामलों में 10.28 प्रतिशत, बलात्कार मामलों में 8.03 प्रतिशत, गैंगरेप मामलों में 7.19 प्रतिशत, नाबालिगों से गैंगरेप मुकदमों में 10.16 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। जून तक महिलाओं से बलात्कार के 2,758 और नाबालिगों से बलात्कार के 794 मुकदमे दर्ज हुए।

प्रदेश में पशुधन बहुत ही कीमती, पशुओं में हो रही बीमारी की रोकथाम के लिए सरकार पूरी तरह तत्पर : मीणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

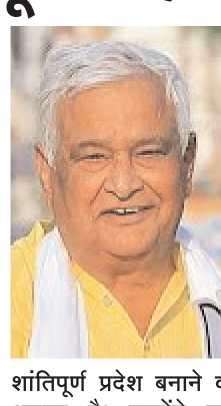

पशुओं में हो रही बीमारी की रोकथाम के लिए सरकार पूरी तरह तत्पर है। पशुओं में हो रही बीमारी की जांच कर कर इसकी रोकथाम के हर संभव प्रयास किया जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बार प्रदेश में इंद्रदेव मेहरबान हैं। बारिश सड़क, बिजली आदि के नुकसान की भरपाई की जाएगी।

जयपुर। कृषि मंत्री डॉक्टर किरोडी लाल मीणा ने कहा कि प्रदेश में पशुधन बहुत ही कीमती है।

उन्होंने कहा कि पशुओं में हो रही बीमारी की रोकथाम के लिए सरकार पूरी तरह तत्पर है। पशुओं में हो रही बीमारी की जांच कर कर इसकी रोकथाम के हर संभव प्रयास किया जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बार प्रदेश में इंद्रदेव मेहरबान हैं। बारिश सड़क, बिजली आदि के नुकसान की भरपाई की जाएगी। फसलों के पानी में डूबने पर डॉक्टर किरोडी बोले कि फसल की गिरदावरी कराकर पीड़ित किसानों को उचित मुआवजा देने की कार्रवाई सरकार द्वारा की जाएगी।

प्रदेश के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि भजनलाल सरकार राजस्थान को शांतिपूर्ण प्रदेश बनाने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की गहलोत सरकार के कार्यकाल में प्रदेश में बेतहाशा अपराध हुए हैं। महिलाओं व दलितों पर अत्याचार, नकल माफिया पनपा है।

अब भजनलाल सरकार ने नकल माफिया को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाया है। भाजपा सरकार संगठित अपराध खत्म कर राजस्थान को शांतिपूर्ण प्रदेश बना रही है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर सोशल मीडिया पर बेवजह की पोस्ट कर जनता को भ्रमित करने का आरोप भी लगाया। दौसा की श्यालावास सेंट्रल जेल में बंद कैदी द्वारा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को जान से मारने की धमकी देने के बाद अब यहां आनंदपाल व लादेन गुट के कैदियों की भिड़ंत पर पूछे गए सवाल के जवाब में बेढम ने कहा कि कांग्रेस राज में अव्यवस्थाओं के कारण यह हो रहा है। अब अव्यवस्थाओं में सुधार कर जेलों में चाक चौबंद व्यवस्था की जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय की वकालत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय की आवश्यकता पर जोर देते हुए शनिवार को कहा कि इससे महिलाओं में अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ेगा।

प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी कोलकाता के एक डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या तथा महाराष्ट्र के ठाणे में दो किंडरगार्टन (केजी) की लड़कियों पर यौन हमले की पृष्ठभूमि में आई है। मोदी ने कहा कि न्यायपालिका को संविधान का संरक्षक माना जाता है और उच्चतम न्यायालय एवं न्यायपालिका ने इस जिम्मेदारी को बखूबी निभाया है।

प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की उपस्थिति में जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मोदी ने महिलाओं के खिलाफ अत्याचार और बच्चों की सुरक्षा के ज्वलंत मुद्दे का जिक्र किया और कहा कि यह गंभीर चिंता का विषय है। मोदी ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए कानूनों में कड़े प्रावधान किए जाने का जिक्र करते हुए 2019 में शुरू की गई त्वरित विशेष अदालत योजना का जिक्र किया। उन्होंने कहा, महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के मामलों में जितनी तेजी से फैसला सुनाया जाएगा, आधी आबादी को अपनी सुरक्षा के बारे में उतना ही अधिक भरोसा होगा। उन्होंने कहा कि जिला न्यायाधीश, जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक वाली जिला निगरानी समितियां महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। आपराधिक न्याय प्रणाली के विभिन्न पहलुओं के बीच समन्वय स्थापित करने में पैनल की महत्वपूर्ण भूमिका की ओर इशारा करते हुए मोदी ने इन समितियों को और अधिक सक्रिय बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

जिला न्यायपालिका कानून का अहम घटक, न्यायपालिका की रीढ़ है : सीजेआई चंद्रचूड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को जिला न्यायपालिका को ''न्यायपालिका की रीढ़'' बताया और कहा कि यह कानून का अहम घटक है। यहां 'जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन' को संबोधित करते हुए सीजेआई ने कहा कि यह जरूरी है कि जिला न्यायपालिका को अधीनस्थ कहना बंद किया जाए। इस सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया।

न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा, ''न्याय की तलाश कर रहा कोई नागरिक सबसे पहले जिला न्यायपालिका से संपर्क करता है। जिला न्यायपालिका कानून का अहम घटक है।'' उन्होंने कहा कि काम की गुणवत्ता और वे स्थितियां जिनमें न्यायपालिका नागरिकों को न्याय प्रदान करती है, यह निर्धारित करती है कि उन्हें न्यायिक प्रणाली पर भरोसा है या नहीं। सीजेआई ने कहा, ''इसलिए जिला न्यायपालिका से बड़ी जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया जाता है और इसे 'न्यायपालिका की रीढ़' के रूप में वर्णित किया गया है। रीढ़ तंत्रिका तंत्र का अहम अंग है।'' उन्होंने कहा, ''कानूनी व्यवस्था की रीढ़ को बनाए रखने के लिए हमें जिला न्यायपालिका को अधीनस्थ न्यायपालिका कहना बंद करना होगा। आजादी के 75 साल बाद, अब समय आ गया है कि हम ब्रिटिश काल के एक और अवशेष –अधीनता की औपनिवेशिक मानसिकता– को दफना दें।'' न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि 2023-24 में अदालती रिकॉर्ड के 46.48 करोड़ पृष्ठों को डिजिटल रूप दिया गया।

उन्होंने कहा कि ई-कोर्ट परियोजना के तहत 3,500 से अधिक अदालत परिसरों और 22,000 से अधिक अदालत कक्षों का कम्प्यूटरीकरण भी किया गया। उन्होंने कहा, ''जिला न्यायपालिका ने दिन-प्रतिदिन के मामलों में प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करने में अहम भूमिका निभाई: देश में जिला अदालतों ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए 2.3 करोड़ मुकदमों पर सुनवाई की।''

असम में मिला 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौर का 'मोर्टार स्मोक बम'

तेजपुर (असम)/भाषा। असम के सोनितपुर जिले में एक नदी क्षेत्र से 'मोर्टार स्मोक बम' बरामद किया गया है जो 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौर का बताया जा रहा है। शीर्ष पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि ढेकियाजुली क्षेत्र में यह बम मिला जिसे सैन्यकर्मियों की मदद से सुरक्षित ढंग से नष्ट कर दिया गया। सोनितपुर के पुलिस अधीक्षक बरुण पुरकायस्थ ने बताया कि दो इंच लंबा विस्फोटक जौगापुर गांव में एक व्यक्ति को सेसा नदी में मछली पकड़ते समय मिला। उन्होंने कहा, ''यह इलाका मिसामारी थाना क्षेत्र में है। यह बम संभवतः चीन निर्मित है और 1962 के युद्ध का है।'' यह लड़ाई असम के पड़ोसी राज्य अरुणाचल प्रदेश में लड़ी गई थी। 'मोर्टार स्मोक बम' एक प्रकार का गोला-बारूद है जिसका उपयोग दुश्मन की गोलीबारी से बचने के लिए धुआं फैलाने या दुश्मन द्वारा की जा रही निगरानी को रोकने जैसे विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया जाता है। लेफ्टिनेंट कर्नल अभिजीत मिश्रा के नेतृत्व में मिसामारी कैंप से आई सेना की टीम की मदद से इसे सुरक्षित रूप से नष्ट कर दिया गया है।

बाहरी लोग मंदिर का प्रबंधन करेंगे तो लोगों की आस्था घटेगी : उच्च न्यायालय

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मंदिरों से जुड़े मुकदमों के काफी समय से लंबित रहने पर दुख जताते हुए कहा है कि अधिवक्ताओं और जिला प्रशासन से जुड़े लोगों को मंदिरों के प्रबंधन और नियंत्रण से दूर रखा जाना चाहिए। अदालत ने यह टिप्पणी मथुरा के एक मंदिर से जुड़े विवाद में एक 'रिसीवर' की नियुक्ति के संबंध में अवमानना याचिका पर सुनवाई के दौरान की। अदालत को बताया गया कि मथुरा में मंदिरों से जुड़े 197 दीवानी मुकदमे लंबित हैं।

मथुरा जिले के देवेंद्र कुमार शर्मा और एक अन्य व्यक्ति द्वारा दायर अवमानना याचिका का निपटारा करते हुए न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने कहा, यदि मंदिरों और धर्मार्थ ट्रस्ट का प्रबंधन और संचालन धार्मिक बिरादरी से जुड़े लोगों द्वारा न करके बाहरी लोगों द्वारा किया जाता है, तो लोगों की आस्था घटेगी। इस तरह के कार्यों को शुरुआत में ही रोका जाना चाहिए।

अदालत ने कहा, अब समय आ गया है कि इन सभी मंदिरों को मथुरा में वकालत कर रहे अधिवक्ताओं के चंगुल से मुक्त किया जाए और अदालतों को यदि आवश्यक हो, तभी 'रिसीवर' नियुक्त करने का प्रयास करना चाहिए। नियुक्त किया जाने वाला 'रिसीवर' मंदिर के प्रबंधन से जुड़ा होना चाहिए और उसका देवता के प्रति कुछ झुकाव होना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने त्रिपुरा में बाढ़ पीड़ितों के लिए अनुग्रह राशि को स्वीकृति दी : साहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस पूर्वोत्तर राज्य में हाल में आई बाढ़ के कारण जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजन को दो लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की मंजूरी दी है। साहा ने बताया कि प्रधानमंत्री ने बाढ़ में घायल हुए प्रत्येक व्यक्ति को 50,000 रुपए देने की भी स्वीकृति दी है। त्रिपुरा में 19 से 24 अगस्त के दौरान बाढ़ में कम से कम 32 लोगों की मौत हो गई, दो अन्य घायल हो गए और एक व्यक्ति लापता हो गया।

साहा ने शुक्रवार रात को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से बाढ़ में जान गंवाने वाले व्यक्ति के परिजन के लिए दो-दो लाख रुपए और गंभीर रूप से घायल के लिए 50-50 हजार रुपए की अनुग्रह राशि की घोषणा करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का हार्दिक आभार। आपकी करुणा इस कठिन समय में बहुत बड़ा सहारा लेकर आई है।'' अन्य पोस्ट में साहा ने कहा कि त्रिपुरा में बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने वाले अंतरमंत्री केंद्रीय दल ने आश्वासन दिया है कि वह जल्द से जल्द सक्षम प्राधिकरण के समक्ष अपनी रिपोर्ट जमा कराएगा, जिससे बाढ़ पीड़ितों को और सहायता मिलेगी। साहा ने कहा केंद्रीय दल 28 अगस्त को अगरतला पहुंचा था और तब से उसके सदस्यों ने दक्षिण त्रिपुरा, गोमती, सिपाहीजाला और खोवई समेत बाढ़ से अधिक प्रभावित विभिन्न इलाकों का दौरा किया है।

एसजेटीएमसी ने पुरी जगन्नाथ मंदिर के लिए 413 करोड़ रुपए स्वीकृत किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुरी/भाषा। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रबंध समिति (एसजेटीएमसी) ने वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लिए पुरी जगन्नाथ मंदिर के वास्ते 413 करोड़ रुपए के बजट को मंजूरी दी है। उसने जगन्नाथ संस्कृति के प्रसार के लिए एक एफएम रेडियो स्टेशन स्थापित करने का निर्णय भी लिया है। पुरी के गजपति महाराजा दिव्य सिंह देब की अध्यक्षता में हुई एसजेटीएमसी की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए।

श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाधी ने यहां संवाददाताओं को बताया, ''एसजेटीएमसी ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 413 करोड़ रुपए के बजट को मंजूरी दी है। यह 103 करोड़ रुपए अतिरिक्त बजट है।'' पाधी ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा मंदिर के लिए 500 करोड़ रुपए का योगदान देने के बाद इस साल मंदिर का बजट लगभग 913 करोड़ रुपए होगा। पाधी ने रथ यात्रा के समय भगवान बलभद्र की पहंदी (शोभायात्रा) के दौरान कुप्रबंधन के लिए खेद जताया। उन्होंने कहा कि रथ यात्रा के दौरान भगवान बलभद्र की पहंदी में हुए हादसे के संबंध में की गई जांच 'अधूरी' पाई गई, इसलिए तीन सदस्यीय समिति को खास जिम्मेदारियां देते हुए एक और रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा गया है। पाधी के अनुसार, बड़ाग्राहियों (मूर्ति की देखभाल करने वाले सेवक) के नेतृत्व में एक 'पहंदी समन्वय टीम' (पीसीटी) स्थापित की जाएगी। उन्होंने कहा कि एसजेटीएमसी की बैठक में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर में एयर कंडीशनर लगाने और नटमंडप (नृत्य हॉल) के अंदर अलमारियों व संदूकों को खाली करने का फैसला भी लिया गया।

पाधी ने बताया कि मंदिर में आने वाली महिलाओं, बच्चों, दिव्यांगजनों और बुजुर्गों के लिए समर्पित कतारें बनाने का भी निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि श्रद्धालु देवी-देवता के दर्शन अच्छे से कर सकें, इसके लिए मार्ग को ऊंचा किया जाएगा।

पाधी ने यह भी बताया कि सुचारू रूप से अनुष्ठान कराने के लिए हर महीने एक 'नीति' उप-समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा, मंदिर के सभी रिकॉर्ड डिजिटल किए जाएंगे। पाधी ने बताया कि एसजेटीएमसी ने जगन्नाथ संस्कृति का प्रसार करने के लिए एक एफएम रेडियो स्टेशन भी शुरू करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि एएसआई द्वारा आवश्यक मरम्मत कार्य पूरा हो जाने के बाद रत्न भंडार के आंतरिक और बाहरी दोनों कक्षों के दरवाजों पर सोने की परत चढ़ाई जाएगी।

मुठभेड़ के दौरान तीन बदमाश गिरफ्तार, वेयरहाउस से चोरी 35 मोबाइल फोन बरामद

नोएडा/भाषा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले की फेस-3 थाना पुलिस ने एक वेयरहाउस से लाखों रुपए के मोबाइल फोन चोरी करने के आरोपी तीन बदमाशों को शनिवार सुबह मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार बदमाशों के पास से सेक्टर-69 स्थित वेयरहाउस से 23 अगस्त की रात को चुराए गए 35 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस उपायुक्त (जोन द्वितीय) शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि फेस-3 थाना पुलिस ने एक वेयरहाउस से मोबाइल फोन चुराने के आरोपी पुष्पेंद्र (23) और गोलू (20) को एक मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान पुलिस द्वारा चलाई गोली पुष्पेंद्र के पैर में लगी। दोनों बदमाशों के पास से देसी तमंचा, कारतूस, मोटरसाइकिल और वेयरहाउस से चुराए 30 मोबाइल फोन बरामद किए गए।

मणिपुर में भाजपा प्रवक्ता के पैतृक आवास पर फिर हमला

इंफाल/भाषा। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में अज्ञात लोगों ने शनिवार को भाजपा की प्रदेश इकाई के प्रवक्ता माइकल लामजाथांग के पैतृक आवास में आग लगा दी। हमले के दौरान तुइबोंग उपसंभाग के पेनियल गांव में घर के परिसर में खड़ी एक कार को भी आग लगा दी गई। इस घर पर पिछले सप्ताह भी हमला हुआ था।

पुलिस ने बताया कि चुराचांदपुर जिले के उपायुक्त धरुण कुमार एस ने जिला पुलिस अधीक्षक को जांच करने और जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपने के लिए एक पत्र लिखा है।

मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने लामजाथांग के घर पर ''तीसरी बार'' हुए हमले की निंदा की। सिंह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''शांति रैलियों की आड़ में अकसर हमारे लोगों (इस मामले में थडौ) को बार-बार निशाना बनाना एक बेहद परेशान करने वाली प्रवृत्ति है।''

थडौ, कुकी समुदाय की सबसे बड़ी उप-जनजातियों में से एक है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''उकसाने की ऐसी हरकतें बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाए। इसके अलावा, संभावित खतरों की पूर्व चेतावनी के बावजूद पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने में विफल रहने वाले संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।''

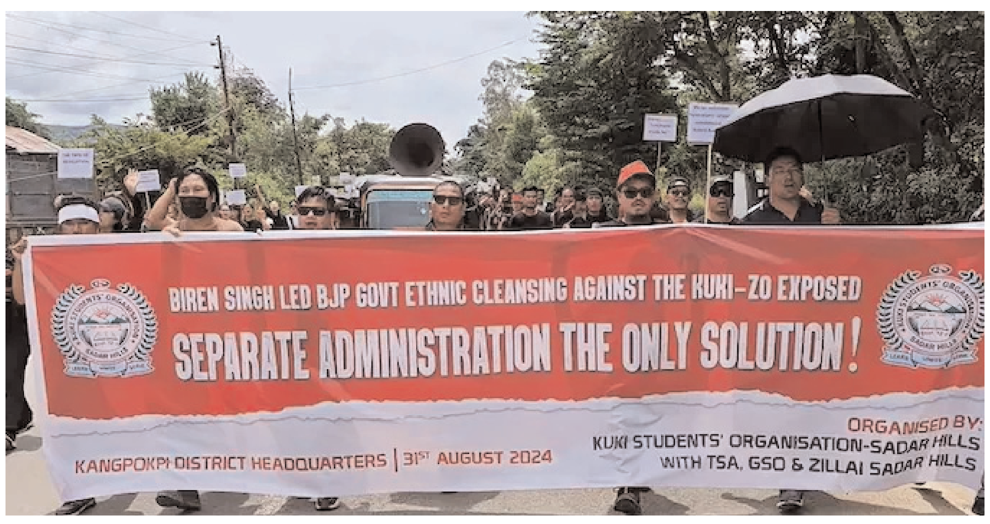

मणिपुर : कुकी-जो संगठनों ने रैलियां निकालीं, अलग प्रशासन की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। कुकी-जो समुदाय के लोगों ने अलग प्रशासन की अपनी मांग पर जोर देने के लिए शनिवार को मणिपुर में तीन रैलियां निकालीं और मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के कथित ऑडियो क्लिप के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें कुछ आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई हैं। उन्होंने चुराचांदपुर जिले के लेइशांग, कांगपोकपी के केइथेलमन्बी और तेंग्नौपाल के मोरेह में रैलियां निकालीं।

चुराचांदपुर में रैली लेइशांग के एंग्लो कुकी वॉर गेट से शुरू हुई और छह किलोमीटर की दूरी तय करते हुए तुइबोउंग में 'पीस ग्राउंड' में समाप्त हुई। कुकी-जो समुदाय के छात्रों द्वारा आयोजित रैली के मद्देनजर जिले में सभी बाजार और स्कूल बंद रहे। वहीं, आयुक्त (गृह) एन अशोक कुमार ने लोगों से व्यावसायिक प्रतिष्ठान और निजी संस्थान खुले रखने का अनुरोध किया। कांगपोकपी में केइथेलमन्बी मिलिट्री कॉलोनी से शुरू हुई रैली में सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने भाग लिया और उन्होंने आठ किलोमीटर की दूरी तय करते हुए जिला मुख्यालय में थॉमस मैदान तक मार्च किया। कांगपोकपी रैली में शामिल एक प्रदर्शनकारी जी. किपगेन ने कहा, ''कुकी-जो लोगों के लिए एक केंद्र शासित प्रदेश की हमारी मांग को लेकर प्रदर्शन किया जा रहा है। हमने 'वायरल' ऑडियो क्लिप के खिलाफ भी प्रदर्शन किया जिसमें आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई हैं।'' मणिपुर सरकार ने कहा था कि जातीय हिंसा प्रभावित राज्य में शांति कदमों को बाधित करने के प्रयास के तहत सोशल मीडिया पर ऑडियो क्लिप प्रसारित की गयीं और इसमें मुख्यमंत्री की आवाज होने का झूठा दावा किया गया है।

ओडिशाः जहाज में 'अवैध रूप से' छिपने के आरोप में घाना के तीन नागरिक हिरासत में लिए गए

पारादीप/भाषा। ओडिशा के पारादीप बंदरगाह के अधिकारियों ने कोयले से लदे एक मालवाहक जहाज पर छिपने का प्रयास कर रहे घाना के तीन नागरिकों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घाना के नागरिक फिलहाल केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की हिरासत में हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि तीनों को उस समय गिरफ्तार किया गया जब शुक्रवार को जहाज – 'एमवी ग्रेट शेंग वेन' – पारादीप बंदरगाह के प्रतिबंधित क्षेत्र में रुका था। उन्होंने बताया कि घाना के तीनों नागरिकों का नाम जहाज के 20 सदस्यीय चालक दल की सूची शामिल नहीं था।

ओडिशा सरकार ने राज्य में 'पीएम उषा' कार्यक्रम की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने शनिवार को राज्य में 'प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान' (पीएम-उषा) की शुरुआत की।

राज्य सरकार ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री सूर्यबंशी सूरज की उपस्थिति में पीएम-उषा कार्यक्रम की शुरुआत के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। प्रधान ने 31 अगस्त को ओडिशा में उच्च शिक्षा परिदृश्य को मजबूत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक दिन बताते हुए कहा कि केंद्र ओडिशा में विभिन्न उच्च शिक्षा संस्थानों को बुनियादी ढांचे और अन्य विकासात्मक गतिविधियों के लिए 500 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। उन्होंने कहा, ''पीएम-उषा राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के कार्यान्वयन की दिशा में केंद्र की एक महत्वपूर्ण पहल है। यह अधिक दक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ राज्य की उच्च शिक्षा प्रणाली में उच्च स्तर की पहुंच, समानता और उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाती है। आवंटित अनुदान का 60 प्रतिशत केंद्र द्वारा जारी किया जाएगा और 40 प्रतिशत राज्य द्वारा वहन किया जाएगा।'' केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि ओडिशा में पीएम-उषा योजना के कार्यान्वयन से राज्य के विश्वविद्यालयों को बुनियादी ढांचे में सुधार करने में मदद मिलेगी और साथ ही वे विश्वस्तरीय बहु-विषयक विश्वविद्यालयों में बदल सकेंगे। ओडिशा को प्रतिभाशाली मानव पूंजी का आशीर्वाद प्राप्त है और केंद्र तथा राज्य दोनों प्रतिबद्ध हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि ओडिशा के युवा 21वीं सदी के ज्ञान एवं कौशल से सुसज्जित और सशक्त हों। इस अवसर पर मुख्यमंत्री माझी ने कहा, ''शिक्षा का दायरा बहुत व्यापक है, इसे राजनीतिक संकीर्णता के दायरे में नहीं रखा जाना चाहिए। हमने नई सरकार के 81वें दिन पीएम-उषा योजना शुरू की है।'' उन्होंने कहा कि यह पहल ओडिशा के शिक्षा क्षेत्र को विश्वस्तरीय स्तर पर बदल देगी। मांझी ने कहा कि भाजपा के चुनाव घोषणापत्र के अनुसार, राज्य में विश्वविद्यालयों को स्वायत्तता दी जाएगी जिससे सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने, शिक्षा प्रणाली में

चिकित्सक बलात्कार-हत्या मामला : कोलकाता में स्कूली शिक्षकों ने विरोध मार्च निकाला

कोलकाता/भाषा। कोलकाता के आर जी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में डॉक्टर के साथ बलात्कार एवं उसकी हत्या के दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग को लेकर विभिन्न स्कूलों के शिक्षकों ने शनिवार को यहां विरोध मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों ने सियालदह स्टेशन से श्यामबाजार तक मार्च निकाला, जिसके पास सरकारी अस्पताल स्थित है। प्रदर्शनकारी शिक्षकों ने ''हमें न्याय चाहिए'' और ''आर जी कर मामले में न्याय चाहिए'' जैसे नारे लगाए। दोषियों को जल्द से जल्द सजा दिलाने की मांग करते हुए शिक्षकों ने कहा कि वे चाहते हैं कि कार्यस्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि दोषियों को बचाने वाले व्यक्तियों को भी कठोर सजा मिलनी चाहिए। प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ बलात्कार और उसकी हत्या के विरोध में शिक्षकों द्वारा आयोजित यह दूसरी रैली थी। डॉक्टर का शव नौ अगस्त को अस्पताल में मिला था।

एससी-एसटी का उपवर्गीकरण और 'क्रीमीलेयर' का मुद्दा इन वर्गों को बांटने वाला है : मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने आरक्षण के लिए अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के उपवर्गीकरण और 'क्रीमीलेयर' के मुद्दे को इन वर्गों के लोगों को बांटने वाला करार दिया है।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर मायावती ने शनिवार को एक पोस्ट में लिखा, ''एससी-एसटी आरक्षण का वर्गीकरण और क्रीमीलेयर का मुद्दा इन वर्गों को बांटने वाला है, जबकि बसपा का मानवतावादी आंदोलन जाति के आधार पर सदियों से सताए गए इन लोगों को जोड़कर 'बहुजन समाज' बनाने का है जिससे कोई समझौता संभव नहीं है। पार्टी इस मुद्दे को लेकर अति गंभीर है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने पोस्ट में कहा, ''इसको लेकर कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु की सरकारों द्वारा माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय से पहले से ही एससी-एसटी को बांटने की राजनीति की जा रही है जो ठीक नहीं है। खासकर यहां की कांग्रेस सरकारों का रवैया इस मामले में अति निंदनीय है।''

मायावती ने इसमें कहा, ''बसपा में रहते हुए जो लोग कांग्रेस की तरह एससी-एसटी के वर्गीकरण और 'क्रीमीलेयर' का समर्थन करते हैं और बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की मिशनरी सोच नहीं रखते हैं, उनका बसपा में कोई स्थान नहीं है। अर्थात एक व्यक्ति के लाभ के लिए पूरे बहुजन समाज के हित की उपेक्षा करना ठीक नहीं है। बसपा प्रमुख ने इसमें यह भी कहा है कि ऐसी मानसिकता के लोग यदि पार्टी छोड़कर खुद ही चले जाते हैं या उन्हें अलग कर दिया जाता है, तो यह बसपा पार्टी और इसके आंदोलन के हित में उचित होगा। उन्होंने कहा कि आरक्षण के वर्गीकरण और क्रीमीलेयर की आड़ में अब कांग्रेस के 'इंडिया' गठबंधन की 'फूट डालो, राज करो' की रणनीति नहीं चलेगी, लेकिन लोगों को सजग रहना चाहिए।

सुविचार

सपने वो नहीं होते जो आप सोते समय देखते हैं, सपने वो होते हैं जो आपको सोने नहीं देते!

ट्वीट

जोधपुर में 15 दिन में नाबालिग से बलात्कार की 5वीं घटना सामने आई है। पिछली एक घटना में बालिका के साथ हुई दरिंदगी के बाद के कुछ दृश्य सोशल मीडिया पर आए जो बेहद ही दुखी एवं विचलित करने वाले हैं।

-अशोक गहलोत

जोधपुर पहुँच कर प्रिय मित्र प्रसिद्ध कवि एवं लोकप्रिय अभिनेता श्री शैलेश लोढ़ा जी से मिलने उनके निवास स्थान पर गया। शैलेश भाई पितृ शोक में हैं।श्रद्धेय स्व. श्री श्याम लोढ़ा जी को पुष्पांजलि अर्पित कर परिजनों को संबल देने का प्रयास किया।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

कहानी

सुकून भरी धूप

एक जानी पहचानी आवाज सुनकर उसने अपना सिर उठाकर देखा । वह आवाज उसके भाई समर की थी । समर वार्ड के गेट के बाहर खड़ा समर मोबाइल फोन से घर पर मां की मृत्यु की सूचना दे रहा था। अपनी बहन को ढांढस बंधाने और सांत्वना देने के लिए भाईयों के पास समय और शब्द दोनों नहीं थे।

ट्रेन रवाना होने में काफी समय था। ट्रेन के डिब्बे में केबिन में नेहा अपनी बर्थ पर लेटी हुई थी। सामने की बर्थ पर उसके पति राजन लेटे हुए थे। उसके मन में उठ रहे कई तरफ के सवाल उसे परेशान कर रहे थे। क्या वह अपनी मां को यहां लेकर नहीं आती तो वह बच जाती ? क्या उसके भाइयों के समय पर आने और घर ले जाने से मां बच जाती ? इस तरह के सवालों ने उसे उधेड़बुन की स्थिति में ला दिया था। वह सोचने लगी कि तरह दिन पहले ही तो वह मां के साथ ट्रेन से अपने शहर से आई थी। उसके लिए इन तेरह दिनों में सब कुछ बदल गया था। समय के साथ बदलते परिवेश और रिश्तों के कारण उसे यह शहर अनजाना और बेगाना सा लगने लगा था। उसकी खुशी में पीठ थपथपाने और दुख में दिलासा देने वाला इस शहर में अब कोई नहीं था। पिछले दिनों एक सच से रुबरु होकर वह ज्यादा परेशान हो गई थी। बर्थ पर आंखें मूंदे लेटे हुए वह अतीत की स्मृतियों में खो गई।

उनके बाबूजी एक सरकारी कर्मचारी थे। बाबूजी ने अपनी नौकरी में आय के सीमित साधन होने के बावजूद किराए के मकान में रहते हुए पारिवारिक जिम्मेदारियों का बिना शिकायत के निर्वाह किया था। सरकारी नौकरी से सेवानिवृत्त होने से पहले बाबूजी अपने तीनों बच्चों , दो पुत्र समीर और साहिल और पुत्री नेहा , की शिक्षा और विवाह की जिम्मेदारी से मुक्त हो गए थे। सेवानिवृत्त होने के बाद मिले रुपयों से उन्होने पुत्र मोह में आकर अपने बड़े पुत्र समीर के नाम से जमीन खरीदकर उस पर मकान बनवाया। कुछ समय बाद साहिल ने भी पास वाली जमीन खरीदकर मकान बनवा लिया था। लेकिन सभी किराये वाले मकान में ही रहते थे।

गुजरते समय के साथ एक छत के नीचे रहते हुए भी उसके दोनों भाइयों के परिवार में बदलते सामाजिक और आर्थिक परिवेश में मन की दूरियां बहुत ज्यादा हो गई थीं। उनमें सामीप्य का अहसास ही नहीं होता था। दोनों परिवार संवादहीनता की स्थिति में रहते थे। उनके दिमाग मे भीतर दहकते झूठे अहंकार के कारण एक दूसरे को नीचा दिखाने की उनमें प्रतिस्पर्धा चलती रहती थी। सुविधावाद और आर्थिक प्रतिस्पर्धा ने दोनों परिवार के सदस्यों को संवेदनहीन बना दिया था। वो लोग स्वार्थ और खुद के अपरिहार्य होने के विक्षिप्त भाव से भरे थे। जीवन में सब नश्वर और अस्थायी है का बोध होने के बाद भी उनके जीवन में खोखलापन साफ नजर आता था।

मां और बाबूजी के लिए विघटन के कगार पर खड़े अपने परिवार को एकता के सूत्र में बांधे रखना असंभव सा हो गया था। क्योंकि परिवार के सदस्यों का अंतर्विरोध ऐसा होने नहीं दे रहा था। उनमें नैसर्गिक अपनत्व और प्रेम लुप्त होने से यह अंतर्विरोध की लहर सुनामी का रुप ले चुकी थी। अपने दोनों बेटों के परिवार के आपस में बढ़ते मतभेद और रोज होने वाली बेवजह कलह से परेशान होकर मां – बाबूजी समीर के नाम वाले नए मकान में आकर रहने लगे थे। बाबूजी अपने मन और मस्तिष्क में चलने वाले द्वंद को कभी अपने चेहरे पर नहीं लाए। उनके चेहरे पर एक स्वाभाविक मुस्कान रहती थी।

जीवन में परेशानियां कब आ जाए पता नहीं चलता। दस वर्ष पहले एक दिन मां के जीवन में भी बाबूजी की मृत्यु के रूप में कभी खत्म नहीं होने वाली परेशानी बिना कोई सूचना दिए आई थी। बाबूजी की मृत्यु से मां को हुए घाव बीतते समय के साथ भरने की बजाय गहरे होते जा रहे थे। बाबूजी की मृत्यु के कुछ समय बाद ही उसके दोनों भाई अपने – अपने नए मकान में आकर रहने लगे थे। बाबूजी मां के लिए सरकारी पेंशन और घर के सामान के अलावा कुछ और नहीं छोड़ गए थे। समीर घर के सामान के साथ मां को भी अपने भी अपने परिवार के साथ नए घर में ले आया था। लेकिन मां ज्यादा समय तक समीर के साथ रह सकी। बच्चों को अपने आंचल में पनाह देने वाली मां अब अपनी पनाह के लिए कभी समीर तो कभी साहिल के साथ रहने लगी। उसकी ज़िंदगी अपने ही बेटों के बीच फुटबाल बनकर रह गई थी। कभी इधर तो कभी उधर। अगर बाबूजी की मृत्यु के बाद पेंशन नहीं मिल रही होती तो मां का क्या हाल होता यह सोचकर ही वह कांप जाती थी।

हर महीने उसकी पेंशन निकलवाने के समय वह जिस बेटे के पास रह रही होती थी पेंशन वही बेटा रख लेता था । वह अपनी ज़िंदगी का बाकी बचा समय दोनों बेटों के घरों में किसी कोने में पड़े पुराने फर्नीचर की तरह पड़ी हुई आंसुओ के घूंट पीकर गुजार रही थी। मां के भीतर के तनाव और घुटन से ज्यादा भारी वातावरण वहां उसके आस – पास रहता था। वह जिस बेटे के पास वह रह रही होती थी उस समय वहां बेटा – बहू उसे चाय , पानी और खाना देकर ही अपना कर्तव्य पूरा कर लेते थे। उससे बातचीत करने के बेटे – बहुओं और पोते – पोतियों के पास समय ही नहीं होता था। उन्हे वह बोझ लगने लगी थी। क्योंकि मां को साथ रखने से उनकी स्वतंत्र जीवन शैली में दखल पड़ता था।उन घरों में रिश्तों के कोई मायने नहीं थे। घर के नाम पर रिश्तों की ममता और प्यार की बजाय सिर्फ दीवारें थीं।बेटों के घरों में इस तरह की अनेक घटनाएं मां को मानसिक उधेड़बुन और अवसाद में ले आई थीं। इन सभी हालातों को देखते हुए उसने मां को बहुत कोशिशों के बाद समझा कर अपने शहर चलने के लिए तैयार कर लिया था। वह अपने मन ही मन डर भी रही थी कि उसके भाई यह जानकर कहीं बुरा तो नहीं मान जाएंगे ? उन्होने मां को उसके साथ जाने के लिए एक बार भी नहीं रोका। और हद तो तब हो गई जब दोनों भाइयों ने हंसते हुए उसे मां को अपने साथ ही रखने का कहा । वह अपने भाइयों के मां के प्रति इस तरह की भावना और व्यवहार से बहुत दुखी हुई थी।

नए शहर और माहौल में अपने नाती – नातिन को मां रोज पुराने किस्से कहानी सुनाती थी। उनके साथ मां बहुत खुश रहती थी। उसकी सहेलियां भी मां के पास आकर गपशप किया करतीं और अनुभव सुना करती थीं। मां को दूसरे शहर में उसके घर आए लगभग चार महीने बीत चुके थे। यह समय कैसे गुजर गया पता ही नहीं चला। अचानक मां अपने बेटों के पास जाने की जिद करने लगी। वह चाहकर भी मां की जिद के कारण उसे अपने साथ नहीं रख पा रही थी। मां बार – बार यही कहती नेहा , आखिर में मुझे जाना तो है ही , बेटी के घर कितने दिन रहूंगी ? तेरे ससुराल वाले और समाज वाले क्या सोचेंगे और कहेंगे ? यह सच है कि मुझे यहां किसी तरह की परेशानी नहीं है। तुम सब मेरे बेटे – बहुओं से ज्यादा मेरा ध्यान रखते हो। राजन जैसा दामाद हर बेटी वाले को मिले। मैंने तेरा मन रखा इसलिए तेरे साथ यहां चली आई । अपने भाइयों को फोन करके कह दे कि मुझे आकर ले जाएं.... और मां की आवाज कांपने लगती। उसका अपने बेटों के पास जाना शायद उसकी मानसिक या सामाजिक मजबूरी थी।

उसके और राजन के समझाने का मां पर कोई असर नहीं हुआ। क्योंकि वे चाहते थे कि बेटे अपनी मां को इज्जत से बुलाएं या आकर ले जाएं। वह यह नहीं बता सकती थी कि उसके यहां आने के बाद बेटों ने कभी फोन कर मां के बारे में कुछ जानना ही नहीं चाहा । मां के बहुत जिद करने पर दिसम्बर की शरीर को कंपकपा देने वाली एक सर्द रात में वह और मां ट्रेन से आ गए थे। उस रात ट्रेन अपने तय समय से पांच घन्टे विलम्ब से पहुंची थी।

इसकी सूचना उसने अपने दोनों भाइयों को समय रहते मोबाइल फोन पर दे दी थी। स्टेशन पर लगी घड़ी की सुईयां रात का एक बजा रही थीं। मां की बूढ़ी आंखें स्टेशन के प्लेटफार्म पर समर और साहिल को खोज रही थीं। वे उसे कहीं नजर नहीं आ रहे थे। धीरे –धीरे सभी यात्री अपने – अपने गंतव्य की ओर रवाना हो चुके थे। जब उसे कोई भी भाई नजर नहीं आया तो उसने दोनों से मोबाइल फोन पर सम्पर्क करने की बहुत कोशिश करी । लेकिन किसी से भी सम्पर्क नहीं हो सका।प्लेटफार्म पर कोहरा जमा होना शुरु हो गया था। रात के समय टैक्सी से घर जाने की बजाय उसने प्लेटफार्म पर बने यात्री विश्राम कक्ष में मां के साथ रुककर सुबह होने का इंतजार करना उचित समझा। वह स्टेशन अधीक्षक कार्यालय से व्हील चेयर लाकर मां को उस पर बैठाकर यात्री विश्राम कक्ष में ले गई। कक्ष में वह और मां ही थे। वह मन ही मन घबरा भी रही थी। उसने कक्ष का दरवाजा अंदर से बंद कर मां को बिस्तर पर लेटाकर रजाई ओढ़ा दी।

अस्सी वसंत देख चुकी मां की आंखों में कई सवाल जन्म लेकर धुंधला रहे थे। उनका कोई जवाब नहीं था। मां के माथे पर उभरी चिंता की लकीरें गहरी होती जा रही थीं। वह थोड़ी – थोड़ी देर में अपने बेटों के आने के बारे में पूछ रही थी।बाहर के साथ – साथ कक्ष में भी ठंड बढ़ने लगी थी। उसने दरवाजा खोलकर बाहर देखा तो कोहरे की चादर में लिपटे प्लेटफार्म पर सन्नाटा पसरा हुआ था।अपने भाइयों से फोन पर सम्पर्क करने की उसकी सारी कोशिशें असफल हो गई थीं । कुर्सी पर बैठे – बैठे उसकी आंख कब लग गई पता ही नहीं चला। मां के खांसने की आवाज सुनकर उसकी नींद खुली। सुबह के सात बजे थे। उसने दमा रोग की मरीज अपनी मां को दवा दी । कुछ देर बार फिर शुरु हुई लगातार खांसी के साथ मां की हांफने के साथ सांसें उखड़ने लगी थीं। वह तेजी से कमरे से बाहर आई। प्लेटफार्म पर कोहरा पसरा हुआ था। स्टेशन से बाहर एक टैक्सी वाले को मां को नजदीक के प्राइवेट हॉस्पिटल ले चलने के लिए कहा। वह और टैक्सी वाला मां को सहारा देकर कक्ष से टैक्सी तक लेकर आए और हॉस्पिटल ले गए।

हॉस्पिटल में मां को भर्ती कराने के बाद उसने समर को फोन किया । समर से सम्पर्क होते ही उसने पूरी बात बताकर तुरन्त हॉस्पिटल आने के लिए कहा। मां की खांसी रुकने का नाम ही नहीं ले रही थी। मां बेड पर लेटे हुए उसे खोजपूर्ण दृष्टि से देख रही थी। जिस मां ने अपने मन की बातों को हमेशा खामोशी की चादर में ढक रखा था शायद कुछ कहना चाहती थी। मां की आंखों से आंसू टपकने लगे थे। अचानक मां की सांस और खांसी सहमकर हमेशा के लिए खामोशी में कहीं गुम हो गए। दुख में डूबी वह बहुत देर तक मां की मृत देह से लिपटकर रोती रही।

एक जानी पहचानी आवाज सुनकर उसने अपना सिर उठाकर देखा । वह आवाज उसके भाई समर की थी । समर वार्ड के गेट के बाहर खड़ा समर मोबाइल फोन से घर पर मां की मृत्यु की सूचना दे रहा था। अपनी बहन को ढांढस बंधाने और सांत्वना देने के लिए भाईयों के पास समय और शब्द दोनों नहीं थे। दोपहर को मां का अंतिम संस्कार कर दिया गया था । इसके बाद उसने बारह दिन अपने भाइयों के यहां भावनात्मक और सामाजिक रुप से अति कष्टप्रद बिताए थे। दोनों भाइयों ने मां की मृत्यु के बारह दिनों तक अनिच्छा से धार्मिक और सामाजिक कार्य किए थे। ट्रेन रवाना होने की आवाज सुनकर वह अतीत की खोह से वर्तमान में लौटी। और सोचने लगी कि मां के जीवन में दुख के बादलों का नहीं टूटने वाला क्रम अब टूट गया था। सुकून भरी धूप का सुख मां के नसीब में ही नहीं था।

सुधीर केवलिया
फोन नं. : 09413279217

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

शिवोऽहम्....(6)

आत्मषटकम के छठे और अंतिम श्लोक में आदिगुरु शंकराचार्य महाराज आत्मपरिचय को पराकाष्ठा पर ले जाते हैं।

अहं निर्विकल्पो निराकाररूपो
विभुत्वाच्च सर्वत्र सर्वेन्द्रियाणाम ।
न चासङ्गतं नैव मुक्तिर्न मेयः
चिदानन्दरूपः शिवोऽहम शिवोऽहम ।।

मैं किसी भिन्नता के बिना, किसी रूप अथवा आकार के बिना, हर वस्तु के अंतर्निहित आधार के रूप में हर स्थान पर उपस्थित हूँ। सभी इंद्रियों की पृष्ठभूमि में मैं ही हूँ। न मैं किसी वस्तु से जुड़ा हूँ, न किसी से मुक्त हूँ। मैं चैतन्य रूप हूँ, आनंद हूँ, शिव हूँ, शिव हूँ।

विचार करें, विवेचन करें तो इन चार पंक्तियों में अनेक विलक्षण आयाम दृष्टिगोचर होते हैं। आत्मरूप स्वयं को समस्त संदेहों से परे घोषित करता है। आत्मरूप एक जैसा और एक समान है। वह निश्चल है, हर स्थिति में अविचल है।

आत्मरूप निराकार है अर्थात जिसका कोई आकार नहीं है। सिक्के का दूसरा पहलू है कि आत्मरूप किसी भी आकार में ढल सकता है। आत्मरूप सभी इन्द्रियों को व्याप्त करके स्थित है, सर्वव्यापी है। आत्मरूप में न मुक्ति है, न ही बंधन। वह सदा समता में स्थित है। आत्मरूप किसी वस्तु से जुड़ा नहीं है, साथ ही किसी वस्तु से परे भी नहीं है। वह कहीं नहीं है पर वह है तभी सबकुछ यहीं है।

वस्तुतः मनुष्य स्वयं के आत्मरूप को नहीं जानता और परमात्म को ढूँढ़ने का प्रयास करता है। जगत की इकाई है आत्म। इकाई के बिना दहाई का अस्तित्व नहीं हो सकता। अतः जगत के नियंता से परिचय करने से पूर्व स्वयं से परिचय करना आवश्यक और अनिवार्य है।

मार्ग पर जाते एक साधु ने अपनी परछाई से खेलता बालक देखा। बालक हिलता तो उसकी परछाई हिलती। बालक दौड़ता तो परछाई दौड़ती। बालक उठता–बैठता, जैसा करता स्वाभाविक था कि परछाई की प्रतिक्रिया भी वैसी होती। बालक को आनंद तो आया पर अब वह परछाई को प्राप्त करना का प्रयास करने लगा। वह बार–बार परछाई को पकड़ने का प्रयास करता पर परछाई पकड़ में नहीं आती। हताश बालक रोने लगा। फिर एकाएक जाने क्या हुआ कि बालक ने अपना हाथ अपने सिर पर रख दिया। परछाई का सिर पकड़ में आ गया। बालक तो हँसने लगा पर साधु महाराज रोने लगे।

जाकर बालक के चरणों में अपना माथा टेक दिया। कहा, गुरुवर, आज तक मैं परमात्म को बाहर खोजता रहा पर आज आत्मरूप का दर्शन करा अपने मुझे मार्ग दिखा दिया।

आत्मषटकम मनुष्य को संभ्रम के पार ले जाता है, भीतर के अपरंपार से मिलाता है। अपने प्रकाश का, अपनी ज्योति की साक्षी में दर्शन कराता है।

इसी दर्शन द्वारा आत्मषटकम से निर्वाणषटकम की यात्रा पूरी होती है। निर्वाण का अर्थ है, शून्य, निश्चल, शांत, समापन। हरेक स्थान पर स्वयं को पाना पर स्वयं कहीं न होना। मृत्यु तो हरेक की होती है, निर्वाण बिरले ही पाते हैं।

षटकम के शब्दों को पढ़ना सरल है। इसके शाब्दिक अर्थ को जानना तुलनात्मक रूप से कठिन। भावार्थ को जानना इससे आगे की यात्रा है, मीमांसा कर पाने का साहस उससे आगे की कठिन सीढ़ी है पर इन सब से बहुत आगे है आत्मषटकम को निर्वाणषटकम के रूप में अपना लेना। अपना निर्वाण प्राप्त कर लेना। यदि निर्वाण तक पहुँच गए तो शेष जीवन में अशेष क्या रह जाएगा? ब्रह्मांड के अशेष तक पहुँचने का एक ही माध्यम है, दृष्टि में शिव को उतारना, सृष्टि में शिव को निहारना और कह उठना, शिवोऽहम...!

बोध कथा

हाथी और उसका दोस्त

बहुत समय पहले की बात है, एक अकेला हाथी एक अजीब जंगल में बसने आया। यह जंगल उसके लिए नया था, और वह दोस्त बनाने के लिए देख रहा था। वो सबसे पहले एक बंदर से संपर्क किया और कहा, नमस्ते, बंदर भैया ! क्या आप मेरे दोस्त बनना चाहेंगे? बंदर ने कहा, तुम मेरी तरह झूल नहीं सकते क्यूंकि तुम बहुत बड़े हो, इसलिए मैं तुम्हारा दोस्त नहीं बन सकता। इसके बाद हाथी एक खरगोश के पास गया और वही सवाल पूछा। खरगोश ने कहा, तुम मेरे बिल में फिट होने के लिए बहुत बड़े हो, इसलिए मैं तुम्हारा दोस्त नहीं बन सकता।

फिर हाथी तालाब में रहने वाले मेंढक के पास गया और वही सवाल पूछा। मेंढक ने उसे जवाब दिया, तुम मेरे जितना ऊंची कूदने के लिए बहुत भारी हो, इसलिए मैं तुम्हारा दोस्त नहीं बन सकता। अब हाथी वास्तव में उदास था क्योंकि वह बहुत कोशिशों के वाबजूद दोस्त नहीं बना सका। फिर, एक दिन, सभी जानवरों को जंगल में इधर उधर दौड़ रहे थे, ये देखकर हाथी ने दौड़ रहे एक भालू से पूछा कि इस उपद्रव के पीछे का कारण क्या है।

भालू ने कहा, जंगल का शेर शिकार पर निकला है वे खुद को उससे बचाने के लिए भाग रहे हैं। ऐसे में हाथी शेर के पास गया और कहा कि कृपया इन निर्दोष लोगों को चोट न पहुंचाओ। कृपया उन्हें अकेला छोड़ दें। शेर ने उसका मजाक उड़ाया और हाथी को एक तरफ चले जाने को कहा। तभी हाथी को गुस्सा आ गया और उसने शेर को उसकी सारी ताकत लगाकर धक्का दे दिया, जिससे वह घायल हो गया और वहां से भाग खड़ा हुआ।

अब बाकी सभी जानवर धीरे–धीरे बाहर आ गए और शेर की हार को लेकर आनंदित होने लगे। वे हाथी के पास गए और उससे कहा, तुम्हारा आकार एकदम सही है हमारा दोस्त बनने के लिए !

कहानी की सीख

इस कहानी से हमें ये सीख मिलती है की एक व्यक्ति का आकार उनके मूल्य का निर्धारण नहीं करता है।

वीर गाथा

लांस नायक रणजोध सिंहः अपनी जान से ज्यादा की जवानों की फिक्र

लांस नायक रणजोध सिंह का जन्म 20 अप्रैल, 1969 को हुआ था। माता रक्षा देवी और पिता तेरसम सिंह के बहादुर बेटे रणजोध पंजाब के ग्रामीण पृष्ठभूमि वाले परिवार से आते थे। उन्होंने कुराली के नेशनल पब्लिक स्कूल से पढ़ाई की थी। रणजोध सिंह अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद लगभग 19 साल की उम्र में सेना में भर्ती हुए थे। उन्हें डोगरा रेजिमेंट की 7वीं बटालियन में शामिल किया गया था। अगस्त 1999 में रणजोध अपनी यूनिट के साथ जम्मू–कश्मीर में तैनात थे। उस समय कारगिल युद्ध समाप्त हो चुका था। भारतीय सेना पाकिस्तान को करारी शिकस्त दे चुकी थी।

इसके बावजूद एलओसी पर तनाव कम नहीं हुआ था। भारतीय जवान किसी भी स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार थे।

एक दिन बटालियन के उच्चाधिकारियों को खुफिया सूचना मिली कि उसके दायित्व में आने वाले क्षेत्र में स्थित किसी गांव में कुछ आतंकवादी छिपे हुए हैं। सूचना का विश्लेषण करने के बाद अधिकारियों ने 31 अगस्त को आतंकवादियों के खिलाफ अभियान शुरू करने का फैसला किया। रणजोध सिंह को भी उस टीम में शामिल किया गया था।

जल्दी ही टीम उस इलाके में पहुंच गई। वहां तलाशी और घेराबंदी अभियान शुरू किया गया। जवानों को अपनी ओर आते देखकर आतंकवादी भयभीत हो गए। उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी। इसके जवाब में जवानों ने भी गोलीबारी की।

कई घंटों की मुठभेड़ के दौरान रणजोध सिंह ने आगे बढ़कर दुश्मन को ललकारा। उन्होंने गोलियों की बौछार के बीच अपनी जान से ज्यादा जवानों की फिक्र की। इससे आतंकवादियों पर लगातार दबाव बढ़ता गया। रणजोध सिंह के पराक्रम से साथी जवानों में और ज्यादा जोश आ गया था। उन्होंने वहां छिपे एक–एक आतंकवादी का सफाया कर दिया था।

वहीं, कई गोलियां लगने से गंभीर रूप से घायल हुए रणजोध भारत माता के लिए बलिदान हो गए। लांस नायक रणजोध सिंह कई साथियों का जीवन बचाकर फर्ज की राह में अमर हो गए। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यात्रा

मेरठ में शनिवार को स्कूली छात्र मेरठ में मेरठ सिटी-लखनऊ वंदे भारत एक्सप्रेस की उद्घाटन यात्रा का आनंद लेते हुए।

मस्क से मतभेद के बीच ब्राजील के शीर्ष न्यायाधीश ने 'एक्स' की सेवाएं निलंबित करने का आदेश दिया

साओ पाउलो/एपी

ब्राजील के उच्चतम न्यायालय के एक न्यायाधीश ने देश में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' की सेवाएं निलंबित करने का शुक्रवार को आदेश दिया। फैसले की प्रति के मुताबिक, न्यायाधीश एलेक्जांद्रे डि मोरेस ने 'एक्स' के मालिक एलन मस्क द्वारा ब्राजील में कंपनी के एक कानून प्रतिनिधि को नामित करने से इनकार करने के बाद यह कदम उठाया। इस कदम से अभिव्यक्ति की आजादी, धुर-दक्षिणपंथी खातों और गलत सूचनाओं के प्रवाह को लेकर मस्क और न्यायमूर्ति मोरेस के बीच महीनों से जारी मतभेद और गहरा गया है।

न्यायमूर्ति मोरेस ने मस्क को बुधवार रात चेतावनी दी थी कि अगर वह ब्राजील में एक कानून प्रतिनिधि नामित करने के उनके आदेश पर अमल नहीं करते हैं, तो देश में 'एक्स' के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। उन्होंने आदेश के अनुपालन के लिए 24 घंटे की समयसीमा भी निर्धारित की थी। ब्राजील में इस महीने की शुरुआत से कंपनी का कोई कानून प्रतिनिधि नहीं है।

'एक्स' के समयसीमा का अनुपालन करने में नाकाम रहने के बाद ब्राजील के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश ने देश में साइट के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया।

ब्राजील के दूरसंचार नियामक 'एनाटेल' ने इंटरनेट सेवा प्रदाताओं को 'एक्स' तक उपयोगकर्ताओं की पहुंच बाधित करने का निर्देश दिया है। शनिवार सुबह तक ज्यादातर कंपनियों ने उपयोगकर्ताओं की 'एक्स' के वेब और मोबाइल दोनों संस्करण तक पहुंच बाधित कर दी थी।

न्यायमूर्ति मोरेस ने अपने फैसले में लिखा, एलन मस्क ने ब्राजील की संप्रभुता और खासतौर पर न्यायपालिका के प्रति पूर्ण अनादर दिखाया है। इस तरह उन्होंने दर्शाया है कि जैसे वह वास्तव में कोई 'सुपरनेशनल इकाई' हैं, जिसे प्रत्येक देश के कानून से छूट प्राप्त है।'सुपरनेशनल इकाई' का मतलब ऐसी इकाइयों से होता है, जो राष्ट्रीय सीमाओं और हितों से परे जाकर निर्णय लेने की शक्ति और प्रभाव रखती हैं।

न्यायमूर्ति मोरेस ने कहा कि ब्राजील में 'एक्स' की सेवाएं तब तक निलंबित रहेंगी, जब तक कंपनी उनके आदेश का अनुपालन नहीं करती। उन्होंने वीपीएन (वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क) के जरिये देश में 'एक्स' का इस्तेमाल करने की कोशिश करने वाले लोगों और कंपनियों पर प्रतिदिन 8,900 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना लगाने का भी आदेश दिया है।

बाद में एक अन्य आदेश में न्यायमूर्ति मोरेस अपने एक शुरुआती फैसले से पीछे हट गए, जिसके तहत उन्होंने इंटरनेट सेवा प्रदाताओं और दूरसंचार नियामक को 'एक्स' तक पहुंच अवरुद्ध करने तथा 'ऐप स्टोर' को वीपीएन हटाने के लिए पांच दिन की मोहलत दी थी।

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन करने वाले विद्यार्थी अब बाढ़ राहत में जुटे

ढाका/भाषा

बांग्लादेश में भयंकर बाढ़ के मद्देनजर विद्यार्थी इस आपदा से प्रभावित लाखों लोगों के वास्ते बाढ़ राहत के काम में जी-जान से जुट गए हैं। विद्यार्थियों के सामने आने पर ही देश में एक बड़ा जनांदोलन खड़ा हुआ था और शेख हसीना को सत्ता से हटना पड़ा था। ढाका विश्वविद्यालय के छात्र रफीक ने कहा, '' यह सिर्फ राहत पहुंचाने की बात नहीं है बल्कि यह बदलाव लाने की बात है, जैसा हमने 'मानसून क्रांति' के दौरान किया था।''

विद्यार्थियों ने परिसर में एक मानव श्रृंखला बनायी है और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में भेजे जाने वाले चावल एवं अन्य जरूरी सामानों की बोरियां ट्रकों में लाद रहे हैं। बाढ़ से प्रभावित देश में विद्यार्थी संसाधन जुटाने एवं प्रभावित लोगों तक राहत पहुंचाने में लगे हैं। देश में बाढ़ के कारण कई लोगों की जान चली गई है और करीब 50 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। इस संकट ने विद्यार्थियों में राहत प्रयासों की खातिर जोश पैदा कर दिया है और उनका क्रांतिकारी उत्साह ऐसे हालत में चीजों को बचाने की शक्ति के रूप में ढल गया है। भारी बारिश के कारण आई बाढ़ ने फेनी, चटगांव और सिलहट सहित 11 जिलों में तबाही मचा दी है। आपदा की भयावहता के सामने पारंपरिक राहत तंत्र बौना पड़ गया है। ऐसे में विद्यार्थियों की भूमिका प्राथमिक राहतकर्ताओं की हो गई है। राजधानी ढाका में विद्यार्थियों की सक्रियता राजनीतिक विरोध से हटकर अब बाढ़ राहत प्रयासों का रूप ले चुकी है।

ढाका विश्वविद्यालय में (स्नातक) राजनीति विज्ञान की तीसरी वर्ष की छात्रा सारा खान इन प्रयासों में अग्रणी भूमिका निभा रही है। खान ने कहा, ''लोकतंत्र के वास्ते हमारा संघर्ष बदलाव लाने में अपनी क्षमता साबित कर चुका है। अब हम इस संकट के दौरान अपने देशवासियों की मदद करने में उसी प्रेरणा का उपयोग कर रहे हैं।'' पांच अगस्त को 'स्टूडेंट्स एगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन' के बैनर तले विद्यार्थियों के आंदोलन के कारण हसीना के 16 साल के शासन का अंत हो गया था। अब, यह बदलाव क्रांतिकारी सक्रियता से मानवीय सहायता की ओर बढ़ रहा है। बाढ़ आने के तुरंत बाद, ढाका, चटगांव और आसपास के क्षेत्रों से विद्यार्थी जीवन रक्षक जैकेट, खाने-पीने की चीजें, पेयजल, ट्रक और स्पीडबोट के साथ, फंसे हुए लोगों को बचाने के लिए फेनी पहुंच गए।

हैरिस के खिलाफ ट्रंप के निजी हमले जारी, उन्हें बेकार कहा

वाशिंगटन/भाषा

अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने डेमोक्रेटिक पार्टी की अपनी प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस पर निजी हमला करते हुए उन्हें ''बेकार'' कहा है। हैरिस (59) द्वारा बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार के रूप में 'सीएनएन' के साथ अपने पहले बड़े साक्षात्कार के बाद ट्रंप ने उनपर हमले किए हैं।

भारतवंशी हैरिस अमेरिका में पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार हैं। उनका मुकाबला ट्रंप (78) से होगा। ट्रंप ने शुक्रवार को 'मॉम्स फॉर लिबर्टी' नामक एक रूढ़िवादी गैर-लाभकारी संस्था की वार्षिक सभा में कहा, ''मुझे लगता है कि अगर वह सिर्फ साक्षात्कार देतीं तो बेहतर होता, भले ही वे बहुत अच्छे न होते, लेकिन बेहतर होता... क्योंकि अब हर कोई देख रहा है और अब हम देख रहे हैं कि वह बेकार हैं। वह बेकार शख्स हैं।''

ट्रंप ने कहा, ''हमें अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में एक और बेकार शख्स की आवश्यकता नहीं है।'' ट्रंप ने संभवतः राष्ट्रपति जो बाइडन का जिक्र करते हुए यह बात कही, जिन्होंने पिछले महीने मुकाबले से बाहर होकर हैरिस का समर्थन किया था। ट्रंप ने यह भी कहा कि बाइडन जून में ''प्रेसिडेंशियल डिबेट'' के दौरान ''तीखे तेवर'' दिखाए थे। ट्रंप ने अफसोस जताया कि पिछले महीने मिल्वौकी (आरएनसी) में रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान उन्हें गलत व्यक्ति के पीछे लाखों खर्च करने पड़े। ट्रंप ने पहले भी उपराष्ट्रपति हैरिस पर व्यक्तिगत हमले किए हैं।

इससे पहले, ट्रंप ने हैरिस के रंग-रूप को लेकर निशाना साधते हुए कहा था कि वह ''उनसे कहीं ज्यादा अच्छे दिखते हैं।'' पूर्व राष्ट्रपति ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि वह हैरिस पर व्यक्तिगत रूप से हमला करने के ''अधिकार'' हैं क्योंकि उनके मन में हैरिस के लिए बहुत सम्मान नहीं है। ट्रंप ने हैरिस की नस्ली पहचान पर भी सवाल उठाया है।

डिज्नी+ हॉटस्टार पर 27 सितंबर को रिलीज होगी 'ताज़ा खबर सीजन-2'

मुंबई/एजेन्सी

रोहित राज और भुवन बम द्वारा बीबी की वाइन्स प्रोडक्शंस के बैनर तले निर्मित और हिमांक गौड़ द्वारा निर्देशित ताज़ा खबर सीजन 2 की स्ट्रीमिंग 27 सितंबर 2024 से डिज्नी+ हॉटस्टार पर शुरू होगी। बीबी की वाइन्स प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी रोहित राज और भुवन बम द्वारा निर्मित सीरीज ताज़ा खबर सीजन 2 के निर्देशक हिमांक गौड़ हैं और इसे हुसैन और अब्बास दलाल की जोड़ी ने लिखा है। इसमें सोशल मीडिया सेंसेशन भुवन बम के साथ-साथ श्रिया पिलगांवकर, महेश मांजरेकर, देवेन भोजानी, शिल्पा शुक्ला, प्रथमेश परब, नित्या माथुर आदि की महत्वपूर्ण भूमिकाएं हैं। वसंत गावडे की भूमिका निभा रहे सेंसेशनल कंटेन्ट क्रियेटर, अभिनेता और निर्माता भुवन बम ने कहा, 'ताज़ा खबर सिर्फ एक सीरीज नहीं है, इसमें मेरी जिन्दगी की तस्वीर है। वस्या का किरदार मैंने आसानी से निभाया, क्योंकि कहानी के ज्यादातर हिस्सों में वह मेरा आईना है। सितारों तक पहुंचने की महत्वाकांक्षा और बेहतर जिन्दगी जीने तथा अपने परिवार की पूरी मदद करने का उत्साह मेरे ही सपनों की तरह है। डिज्नी+ हॉटस्टार पर वसंत गावडे को दर्शकों ने जो प्यार दिया है, उसका मैं बहुत आभारी हूँ। इस बार दर्शक मेरे किरदार की नई पेचीदगी देखेंगे और इसका मुझे बेसब्री से इंतजार है। निर्माता रोहित राज ने कहा, हमारे काम को मिले इतने प्यार से हम बहुत खुश हैं। मैंने ताज़ा खबर को हमेशा फर्श से अर्श तक के सफर के तौर पर देखा है, लेकिन इस सफर में एक ट्विस्ट और मुंबई वाला तड़का है। एक फ्रैंचाइज़ी के रूप में ताज़ा खबर के लिये हमारी सोच रोजमर्रा की आम जिन्दगी के अनुभव समझाते हुए उन पर पैना नजरिया देने की थी। एक्टर के तौर पर ताज़ा खबर में भुवन का सफर देखना बेहतरीन रहा और यहाँ से वह ऊँचाई पर ही जाएंगे। डिज्नी+ हॉटस्टार के साथ अपने गठजोड़ से हमें यह उम्मीद है और हम प्रार्थना करते हैं कि उनके साथ मिलकर हम और भी मजेदार शोज तथा मूवीज करें।

कंगना रनौत ने ऐतिहासिक प्रधानमंत्री संग्रहालय में 'इमरजेंसी' म्यूजिक एल्बम लॉन्च किया

नयी दिल्ली/एजेन्सी

ऑबॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने नई दिल्ली के प्रधानमंत्री संग्रहालय में अपनी आगामी फिल्म इमरजेंसी का म्यूजिक एल्बम लॉन्च किया। जी.वी. प्रकाश कुमार और अर्को प्रावो मुखर्जी द्वारा रचित और मनोज मुंतशिर द्वारा लिखे गए इस एल्बम में गानों और भावपूर्ण धुनों के मिश्रण के साथ 1970 के दशक के सार को खूबसूरती से दर्शाया गया है। इसमें उदित नारायण, नक्श अजीज और नकुल अभ्यंकर द्वारा गाया गया एक प्रभावशाली गाना 'सिंहासन खाली करो' शामिल है, जिसने पहले ही श्रोताओं के दिलों को छू लिया है। अन्य उल्लेखनीय गीतों में हरिहरन का दिल को छू लेने वाला गीत 'ऐ मेरी जान', नकुल अभ्यंकर, नीति मोहन और रोमी की विशेषता वाला जोशीला युद्ध गीत 'शंखनाद कर', मोनाली ठाकुर का मधुर 'बेकारियां' और श्री राम चंद्र द्वारा गाया गया नेतृत्व को श्रद्धांजलि 'सरकार को सलाम है' शामिल हैं। कंगना रनौत द्वारा लिखित और निर्देशित, 'इमरजेंसी' में अनुपम खेर, महिमा चौधरी, मिलिंद सोमन, श्रेयस तलपड़े, विशाक नायर और दिवंगत सतीश कौशिक भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इस फ़िल्म में कंगना ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाया है।ज़ी स्टूडियोज़ और मणिकर्णिका फ़िल्म्स द्वारा निर्मित, फ़िल्म इमरजेंसी का संगीत संचित बलहारा और जी वी प्रकाश कुमार द्वारा तैयार किया गया है, जबकि पटकथा और संवाद रितेश शाह द्वारा लिखे गए हैं। यह फिल्म 06 सितंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

स्ट्रीम हुआ 'मिर्जापुर 3' का बोनस एपिसोड

मुंबई/एजेन्सी

मिर्जापुर 3 का बोनस एपिसोड स्ट्रीम हो गया है। इसे आप अमेजन प्राइम पर देख सकते हैं। 'मिर्जापुर' के मेकर्स ने अपने दर्शकों खुश करने के लिए मुन्ना भैया का स्पेशल 25 मिनट का धमाकेदार और दमदार एपिसोड की स्ट्रीमिंग कर दी है, जिसमें आपके सबसे पसंदीदा किरदार मुन्ना त्रिपाठी को दिखाया गया है, जिसे दिव्येंदु ने निभाया है। प्राइम वीडियो पर स्ट्रीमिंग हो रही लोकप्रिय क्राइम थ्रिलर सीरीज का भारत में जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। मिर्जापुर 3 बोनस एपिसोड में मुन्ना भैया अपने सभी दुश्मनों को रोस्ट करते नजर आ रहे हैं।

तीसरे सीजन के हालिया एपिसोड में मुन्ना की अनुपस्थिति ने कई दर्शकों को निराश कर दिया था, जिसके बाद उन्हें वापस लाने की डिंमाड की जाने लगी। इस दौरान मेकर्स ने मिर्जापुर 3 बोनस एपिसोड शेयर कर दिया है, जिसमें मुन्ना त्रिपाठी का वहीं पुराना भौकाल देखने को मिल रहा है। लोगों को मुन्ना भैया का बोनस एपिसोड बहुत पसंद आ रहा है। प्राइम वीडियो पर रिलीज होते ही इंडिया की मशहूर सीरीज 'मिर्जापुर' ने तहलका मचा दिया है।

मुन्ना भैया ने मिर्जापुर 3 के बोनस एपिसोड में गुड्डू पडिंत को गद्दार, शरद शुक्ला को धोखेबाज, गजगामिनी गुप्ता उर्फ गोलू को बेवकूफ बताया है। वहीं मुन्ना भैया ने अपनी पत्नी माधुरी यादव की तारीफ की है। एपिसोड खत्म होने के पहले मुन्ना भैया ने एक बार फिर से वापस लौटने का वादा भी किया है। सीरीज के कुछ मशहूर सीन्स भी इस बोनस एपिसोड में देखने को मिले हैं। सीजन 3 में दर्शकों ने जो चीजें मिस की हैं, उन्हें फिर से दिखाया है।

अभिनेता मनोज जोशी ने बाबा महाकाल के किए दर्शन

उज्जैन/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता मनोज जोशी शनिवार को मध्यप्रदेश के उज्जैन में महाकाल के दरबार में पहुंचे। यहां पर उन्होंने बाबा महाकालेश्वर मंदिर में भगवान का दर्शन-पूजन किया। बॉलीवुड अभिनेता मनोज जोशी शनिवार की सुबह धार्मिक नगरी उज्जैन में पहुंचकर विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन-पूजन किया और बाबा महाकाल का आर्शीवाद लिया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि उज्जैन या इंदौर जब भी आने का मौका मिलता है, बाबा महाकाल के दर्शन किए बिना वापस नहीं जाता हूं। बाबा महाकाल के दर्शन करने के बाद अभिनेता मनोज जोशी ने कहा, श्रावण मास हमारे सनातन धर्म में बहुत ही अद्भुत और पवित्र मास माना जाता है। मैं महाराष्ट्र में रहता हूं और गुजरात का हूं और हमारे यहां अगले सोमवती अमावस्या की पूजा होगी। उन्होंने आगे कहा कि मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है कि जब भी मैं उज्जैन आता हूं, बाबा के दर्शन करके ही वापस जाता हूं। बाबा की महिमा अद्भुत है, वो भगवान आशुतोष हैं, वो बहुत जल्दी पसंद होते हैं।

जोशी ने आगे बताया कि यहां पर महंत से भी मुलाकात हुई, बाबा के दर्शन कर मन को बहुत शांति मिलती है। उनकी महिमा के बारे में बोलने वाला मैं कोई भी नहीं हूं, लेकिन मैं उनका असीम भक्त हूं। उन्होंने मध्य प्रदेश समेत संपूर्ण भारत और भारतवासी के लिए सुख, समृद्धि और शांति की कामना की। संपूर्ण विश्व में भारत को विश्वगुरु के पद पर जल्द स्थापित होने की इच्छा जाहिर की। बता दें कि बॉलीवुड अभिनेता मनोज जोशी बहुत ही धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति हैं। वो जब भी उज्जैन आते हैं तो महाकालेश्वर मंदिर अवश्य जाते हैं और बाबा महाकाल का दर्शन-पूजन करते हैं।

प्रत्येक बार की भांति इस बार भी वो मंदिर गए और मंदिर परिसर में भ्रमण भी किया। महाकाल की नगरी आकर अभिनेता बहुत खुशी जाहिर की। अभिनेता ने बताया कि महाकाल बहुत दयालु हैं, उनसे जो भी मांगो वो दे देते हैं। अभिनेता ने चांदी गेट से महाकाल के दर्शन और नंदी हॉल में बैठकर भगवान की आराधना की। मंदिर समिति के पुजारियों ने अभिनेता का स्वागत किया।

तकलीफ होती है जब कोई महिला प्रधान फिल्म असफल हो जाती है : प्रियंका चोपड़ा

मुंबई/एजेन्सी

प्रियंका चोपड़ा को आखिरी बार हॉलीवुड फिल्म 'लव अगेन' में सैम ह्यूगन के साथ रोमांस करते देखा गया था। प्रियंका अभी मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल के लिए भारत में आई हुई हैं। वह इस साल के फेस्टिवल की चेयरपर्सन हैं। प्रियंका ने भूमि के साथ मिलकर महोत्सव में एक मास्टरक्लास ऑर्गेनाइज की। इस दौरान प्रियंका ने बताया कि वह एक महिला प्रधान फिल्म के फ्लॉप होने पर कैसा महसूस करती हैं। प्रियंका ने कहा कि जब आप एक महिला प्रधान फिल्म में काम करते हैं और आप इसकी सफलता की उम्मीद कर रहे होते हैं तो ऐसे में आपके ऊपर बहुत प्रेशर हो जाता है। वैसे बहुत कम ही होता है कि कोई महिला प्रधान फिल्म लोगों का दिल जीतने में कामयाब न हो, लेकिन ऐसा हो भी जाता है तो मुझे ऐसा लगता है कि हम सभी महिलाए कुछ कदम पीछे चली गई हैं, या कहीं ना कहीं मैंने उन्हें पीछे कर दिया है। चाहे फिल्म चले ना चले, लेकिन हमें यह काम करना ही होगा, क्योंकि हममें से कुछ लोग ही हैं, जिन्हें ऐसा करने का मौका मिलता है। सफल नहीं हो रहा है तो उसे और अच्छे से करने की कोशिश की जाए। अब आपको यह मानना है कि हमें ऐसा काम करना है कि नारी जाति को निराशा नहीं हो क्योंकि हमारे पास बहुत कम मौके होते हैं। प्रियंका ने इससे पहले वोग इंडिया के साथ एक इंटरव्यू में बातचीत के दौरान काम के बुरे दिनों से निपटने के बारे में चर्चा की। प्रियंका ने कहा कि मेरे पास भी हर किसी की तरह बुरे दिन होते हैं, लेकिन मैं खुद को याद दिलाती हूं कि मेरे पास जो कुछ भी है, वह मेरे लिए कितना सौभाग्य की बात है और मैं शिकायत करना बंद कर देती हूं और अपना काम करने लगती हूं।

मैं अपनी भावनाओं को एक तरफ रख देती हूं और घर पहुंचने पर उनसे निपटती हूं। प्रियंका जल्द ही फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' में नजर आने वाली हैं, जिसमें जॉन सीना और इदरीस एल्बा भी अहम भूमिका में होंगे।

प्रिया एटली ने लांच किया रेड नॉट

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री ,निर्माता और उद्यमी प्रिया एटली ने अपने नए डिजाइनर कपड़ों के ब्रांड 'रेड नॉट' की घोषणा की है। रेड नॉट पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए फैशन प्रस्तुत करता है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर अब लाइव है, जिसमें पुरुषों के लिए को-ऑर्ड्स और शर्ट्स, और महिलाओं के लिए साड़ियाँ, जंपसूट्स, स्लिट सलवार, टियरड ड्रेस आदि शामिल हैं, जो सभी आधुनिक और अभिनव प्रिंट डिजाइन के साथ हैं। यह कलेक्शन प्रीमियम सेगमेंट के लिए है और भविष्य में डिजाइनर रिटेलर्स तक पहुंचने की योजना है। प्रिया एटली ने कहा, फैशन किसी के व्यक्तित्व और रचनात्मकता का विस्तार होता है। 'रेड नॉट' के साथ, मैं एक ऐसा ब्रांड बनाना चाहती थी जो आधुनिक व्यक्तियों से मेल खाता हो, जो अलग दिखने और स्टेटमेंट बनाने से न डरें। इस कलेक्शन में हर पीस मेरी डिजाइन के प्रति पैशन और फैशन के माध्यम से व्यक्तित्व के उत्सव को मनाने की मेरी आस्था को दर्शाता है।

प्रिया ने रेड नॉट कलेक्शन के हर पीस को ध्यानपूर्वक डिजाइन किया है, जो कंटेम्परी स्टाइल और शाही भव्यता की अनूठी अभिव्यक्ति के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। रेड नॉट का लॉन्च प्रिया के फिल्म से फैशन की ओर बदलाव को दर्शाता है, जिसमें उनकी कला को हर पहलू में शामिल किया गया है। रेड नॉट कलेक्शन केवल उसकी आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से उपलब्ध है, जिससे फैशन प्रेमी सीधे प्रिया एटली के नवीनतम डिज़ाइन देख सकते हैं। कलेक्शन में आधुनिक सिल्हूट और अभिनव प्रिंट्स की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है, जो उन व्यक्तियों के लिए तैयार की गई है जो अपनी अलमारी में सोफिस्टिकेशन और ओरिजिनालिटी की तलाश में हैं।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के तेरापंथ युवक परिषद्, विजयनगर के निर्देशन में किशोर मंडल और कन्या मंडल द्वारा साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में 'कर्मो की मार यमराज का दरबार' नाटक का रोचक मंचन किया।

नवकार महामंत्र की महिमा अपरम्पार है : साध्वीश्री धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने नवकार महामंत्र के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नवकार मंत्र चौदह पूर्वी का सार हैं। नवकार महामंत्र की महिमा अपरम्पार हैं। इस नमस्कार महामंत्र में किसी व्यक्ति विशेष का नाम नहीं हैं। इसमें साधना पात्र, उत्तम स्थान को पात्र हुए अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय एवं साधु इन पांच पदों में सम्माहित महान आत्माओं के गुणों को नमस्कार-वंदन, गुण-कीर्तन-स्मरण किया गया हैं। भूतकाल में जितनी आत्माएं मोक्ष में गयी हैं और भविष्य में जाएगी। यह सब नवकार के गुण-स्मरण, श्रद्धा-भक्ति, समर्पण का ही प्रभाव हैं। नवकार जाप का स्मरण विघ्न- बाधाओं को हरने वाला, समस्त कष्टों, दुःखों से मुक्ति दिलानेवाला और सभी पापों का नाश करने वाला हैं। जिसके हृदय में नवकार, उसका क्या करे संसार। इस महामंत्र पर साधक की सच्ची श्रद्धा- आस्था हो तो यह उस प्राणी के समस्त पापों का नाश करने वाला और परम पद मुक्ति पद को प्राप्त कराने वाला है।

साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने प्रभु तीर्थकर परमात्मा भगवान महावीर द्वारा उत्तराध्ययन सूत्र के तीसरे अध्ययन की पहली गाथा पर सारगर्भित विवेचना करते हुए कहा कि चार दुर्लभ अंगों की प्राप्ति में से चौथा दुर्लभ अंग है संयम में पुरुषार्थ, पराक्रम। धर्म का गर्म भी यही है कि एक में प्रवृत्ति करना व एक से निवृत्ति करना। संयम में प्रवृत्ति व असंयम में निवृत्ति करना। कषाय और योगों का निग्रह करना ही संयम हैं। संयम से ही अहिंसा की पूर्ण पालना होती है तथा शुद्धात्म स्वरूप प्रकट होता हैं। मात्र अर्थ और काम के सांसारिक कार्यों में ही लगे रहकर याद जीव ने धर्म और मोक्ष की प्राप्ति के लिये पुरुषार्थ नहीं किया तो सब निष्फल, निरर्थक हैं। साध्वीश्री ने श्रद्धालुओं से रविवार से प्रारंभ हो रहे अष्ट दिवसीय पर्यूषण पर्व में प्रतिदिन प्रार्थना, प्रवचन, शास्त्रवाणी श्रवण, धर्मचर्चा, सामायिक- प्रतिक्रमण नवकार महामंत्र जाप में सभी कार्यक्रमों में नियत समय पर अनि व इन पर्व दिनों में 5'प' पैसा, प्रतिष्ठा, परिवार, पत्नी, पुत्र इनसे ममत्व, दूरी बना करके व 5'प' प्रार्थना, प्रवचन, प्रत्याख्यान प्रतिक्रमण और प्रशम भाव का गुण अपनाने की बात। सभा का संचालन मंत्री सुरेश कुमार धोका ने किया।

बैर, विष, दोषों का शमन करता है पर्युषण पर्व : आचार्यश्री अरिहंतसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधर शान्तिसूरी जैन संघ, वीवी पुरम के तत्वावधान में आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने संभवनाथ भवन में पर्युषण पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि साल भर की ऋतुओं में वर्षा ऋतु को सबसे उत्तम बताया गया है, क्योंकि इस मौसम में शरीर में पानी अधिक और वातावरण में ठंडक ज्यादा होती है। यही समय है जब तप करना आसान होता है। बरसात के कारण जीवों की उत्पति ज्यादा होती है, अतः जीवरक्षा के लिए साधु-साध्वी एक जगह ठहरते हैं, विहार नहीं करते। हर जैन के लिए आत्मा की वार्षिक शुद्धि अनिवार्य है। इस उद्देश्य पूर्ति के लिए संवत्सरी का दिन निर्धारित है, यह दिन ऋतुओं का संधिकाल है। पूर्व के महापुरुषों ने यह समय इस उद्देश्य से चुना था कि मन और आत्मा के भावों को परिवर्तित करने की प्रक्रिया में श्रेष्ठ काल सहायभूत होता है। पर्युषण मुख्य रूप से आत्मा की वार्षिक शुद्धि करने का पर्व है।

संतश्री ने कहा कि धार्मिक अनुष्ठान या पर्व मनाने की जैनों की पद्धति अनोखी है। रीति रिवाज ऐसे बनाए गए हैं कि अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह के लिए पोषक तप, त्याग, दान, शील, परोपकार तथा भक्ति का अनुपालन हो, ताकि हर साधक के आंतरिक व्यक्तित्व का विकास हो सके। ऐसी एक भी प्रवृत्ति नहीं, जिससे मन के विकार, वासना या आवेग उत्तेजित हो। चूंकि यह पर्व आत्मशुद्धि का है, इसे मनाने के दौरान जैन शासन द्वारा साधकों से 5 कर्तव्यों के अनुपालन की अपेक्षा की गई है।

इनमें अमारिप्रवर्तन, सधार्मिक वात्सल्य, क्षमापना, अनुमतप और चैत्यपरिपाटी का समावेश है। अमारिप्रवर्तन का प्रयोजन सभी जीवों के प्रति मैत्रीभाव प्रकट कर के बाहरी वातावरण पवित्र, शांत तथा निर्मल करना है। साधार्मिक वात्सल्य में समान धर्मियों के बीच परस्पर शुभ भावना समेत धार्मिक वातावरण निर्माण करने का मकसद है। क्षमापना में सर्व जीवों से क्षमा याचना कर के मन एवं आत्मा को निर्मल बनाने का भाव है। अट्ठम तप यानी लगातार तीन दिन उपवास करके देह एवं मन को शुद्ध और सुंदर बनाने तथा आहार आदि की आसक्ति से मुक्ति पाने की योजना है। अंतिम चैत्यपरिपाटी में संवत्सरी प्रतिक्रमण सुंदर तरीके से संपन्न हो जाने का हर्ष व्यक्त करने तथा आत्मिक सुख का लाभ मिल जाने की पुष्टि का भाव शामिल है।

लाओस में भारतीय दूतावास ने साइबर स्कैम केंद्रों से 47 भारतीयों को बचाया

विएंतियाने/भाषा

लाओस में 'साइबर स्कैम' केंद्रों में फंसे कम से कम 47 भारतीयों को देश के बोकेओ प्रांत से बचाया गया है। दक्षिण-पूर्व एशियाई देश में स्थित भारतीय दूतावास ने शनिवार को यह जानकारी दी।

भारतीय प्राधिकारी नागरिकों को लाओस में फर्जी नौकरी की पेशकश के प्रति सतर्क करते हुए उनसे धोखाधड़ी से बचने के लिए हर सावधानी बरतने का आग्रह कर रहे हैं। भारतीय मिशन ने अब तक लाओस से 635 भारतीयों को बचाया है और उनकी सुरक्षित भारत वापसी सुनिश्चित की है। लाओस में भारतीय दूतावास के एक बयान में कहा कि नए मामले में, दूतावास ने बोकेओ प्रांत में गोल्डन ट्राइंगल विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) में साइबर स्कैम केंद्रों में फंसे 47 भारतीयों को बचाया ।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा किये गए भारतीय दूतावास के इस बयान में कहा गया है, ''इनमें से 29 को गोल्डन ट्राइंगल एसईजेड में अवैध गतिविधियों पर कार्रवाई के बाद लाओस के अधिकारियों ने दूतावास को सौंप दिया था, जबकि अन्य 18 ने संकट में होने को लेकर दूतावास से संपर्क किया था।''

इसमें कहा गया है कि दूतावास के अधिकारी स्थानीय अधिकारियों से संपर्क करने के लिए राजधानी विएंतियाने से बोकेओ गए थे। बयान में कहा गया है कि लाओस में भारत के राजदूत प्रशांत अग्रवाल ने समूह के आगमन पर उनसे मुलाकात की और उनके सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा करते हुए आगामी उपायों को लेकर सलाह दी।

इसमें कहा गया है कि दूतावास ने इन सभी की भारत वापसी के लिए सभी प्रक्रियात्मक आवश्यकताओं को लाओस के अधिकारियों से मिलकर पूरा कर लिया है। साथ ही कहा है कि इनमें से 30 लोग पहले ही सुरक्षित रूप से भारत लौट गए हैं या रास्ते में हैं। इसमें कहा गया है कि शेष 17 अन्य लोगों की यात्रा की प्रक्रियाएं पूरी की जा रही हैं और जल्द ही वह भी स्वदेश लौटेंगे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पिछले महीने दक्षिण पूर्व एशियाई देश की अपनी यात्रा के दौरान लाओस के प्रधानमंत्री सोनेक्से सिफांडोने के साथ भारतीय नागरिकों की तस्करी के मुद्दे पर चर्चा की थी। लाओस में भारतीय दूतावास ने पिछले महीने 13 भारतीयों को बचाकर स्वदेश भेजा था। भारतीय दूतावास ने शनिवार को जारी बयान में लाओस सरकार से साइबर स्कैम केंद्रों के संचालन में लिप्त असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया।

क्षमा करने से जीवात्मा जीत हासिल करती है : संतश्री बसंतमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के उपाध्याय केवलमुनि जैनोदय ट्रस्ट शूले स्थित दिवाकर दरबार में संतश्री वसंतमुनिजी ने उत्तराध्ययन सूत्र के 29 वें अध्ययन का विश्लेषण करते हुए बताया कि महावीर स्वामी ने समाधान करते हुए कहा है कि क्षमा करने से जीवात्मा, परिषहों को जीत लेता है। धर्मानुरागी श्रावक श्राविकाएं पर्युषण के इन आठ दिनों में अधिक से अधिक तप त्याग करें। जैन आगम शास्त्र अंतगढ़ सूत्र का वाचन करें। व्याख्यान वाणी के साथ साथ सामायिक प्रतिक्रमण आदि धर्म आराधना करें। ट्रस्ट के महामंत्री प्रेमकुमार कोठारी ने कहा कि बसंत मुनिजी के साथ दो स्वाध्यायी अष्ट दिवसीय पर्युषण पर्व आराधना में सहयोग देंगे। रविवार का प्रवचन शूले स्थित महावीर भवन में होगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पर्युषण पर्व

बेंगलूरु के चामराजपेट स्थित मणिधारी एन्कलेव में पर्युषण महा पर्व के प्रथम दिन परमात्मा शांतिनाथ दादा के दरबार में भव्य स्नात्र महोत्सव का आयोजन किया जिसका लाभ प्रकाशचंद भुरमल सोनिगरा परिवार जंबुलाल चौहान परिवार द्वारा बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया।श्रावक श्राविकाओं में बड़े उत्साह से परमात्मा की आरती की।

पर्युषण का मतलब हमारी आत्मा में निवास करना है : मुनिश्री मलयप्रभसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री मलयप्रभसागरजी ने पर्युषण पर्व के प्रथम दिवस के अष्टान्हिका प्रवचन में कहा कि मानो पूरी पृथ्वी उत्सव मना रही है, आज हमारे गृह आंगन में विशिष्ट अतिथि आए ह। दूसरे अतिथि तो देकर बहुत कम जाते हैं और लेकर बहुत ज्यादा जाते हैं, लेकिन यह पर्युषण पर्व रुपी अतिथि तो देकर बहुत कुछ जाते हैं लेकिन लेकर कुछ भी नहीं जाते। यह हमें क्षमा, त्याग, तप जैसी विशिष्ट चीजें देकर जाते हैं। परी और उषण मिलकर पर्युषण शब्द बना है। अपनी आत्मा की ओर हमें इन दिनों में यात्रा करनी है। शास्त्रों में बताया गया है कि हमें पहले धर्म के बारे में जानना है, फिर क्रिया करनी है। जिस दिन जानकर ज्ञानपूर्वक क्रिया करेंगे वही हमारी मुक्ति का कारण बनेगा। पर्युषण का मतलब ही हमारी आत्मा में निवास करना है।

संतश्री ने कहा कि जैन दर्शन-धर्म त्याग प्रधान है, इसमें त्याग की प्रधानता रही है। पर्युषण हमारे पूरे वर्ष की जीवन शैली का इंटर्नशिप है। इन दिनों में की गई क्रिया को हमें पूरे वर्ष भर की जीवन शैली में उतारना है। जिस दिन हमारी आत्मा में ज्ञानोदय होगा उसे दिन हमारा मिथ्यात्व दूर होकर सम्यक्त्व आ जाएगा। यह दिन हमें मोह और अज्ञान की नींद से जगाने आए हैं। गुरुवर ने कहा कि अनेक भवों के पुरुषार्थ के पश्चात हमें यह मानव जीवन मिला है, इस मानव जीवन को हमें व्यर्थ नहीं करना है। पर्युषण के इन दिनों में श्रावक के पांच मुख्य कर्तव्य हैं जिनका हमें पूर्ण रूप से पालन करना है। इन कर्तव्यों के माध्यम से हमें जिन शासन को जानना है। इसमें प्रथम कर्तव्य अमारी प्रवर्तन, दूसरा साधर्मिक वात्सल्य, तीसरा चैत्य परिपाटी, चतुर्थ अट्ठम तप और पांचवा क्षमापना है। यह पांचो हमारे श्रावक जीवन के मुख्य कर्तव्य है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वास्थ्य जांच शिविर

बेंगलूरु के तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम द्वारा गायत्रीनगर स्थित मरियापन्नपाल्या पार्क में निःशुल्क मधुमेह एवं रक्तचाप शिविर का आयोजन किया गया जिसमें कुल 81 लोग लाभान्वित हुए। तेयुप से जयंतीलाल गांधी, रवि चौधरी, विनोद कोठारी, मुकेश भंडारी, हरीश पोरवाड़ एवं किशोर मण्डल से नमन देरासरिया ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

'अपनी आत्मा को सुधारो तो जग सुधर जाएगा'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के गणेश बाग शिवाजीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित शिविराचार्य विनयमुनिजी खींचन ने आवश्यक सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि अपनी आत्मा को सुधारना सीख गया, समझो जगत को सुधार दिया। इंसान ने धर्म को खोकर यन्त्रों को पाया और यन्त्रों ने इंसान की अतिआवश्यक जीवन के संसाधनों पर चोट हो चुकी है। हवा-पानी-भोजन इन तीनों को प्रदूषित जितना षड्यन्त्रों ने नहीं किया, सबसे ज्यादा यंत्रों से भयानक प्रदूषित हो गए है। आज ताकत से धर्मान्तरण किया जा रहा है। कहीं इंसान सर्व प्रथम मानव धर्म को न खो बैठे। विशेष - कर्नाटक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सुरेश चंद ,छल्लाणी हलसूर रोड से अनुराग जैन ,फेजरटाउन से विमलचंद काठेड, विजय राज जी लोढा, एचएसआर लेआउट से गोविंद सिंह जी छाजेड़ सपरिवार, सदाशिव नगर से आशा सुराणा , कुमार पार्क से अजय समता निधि सपरिवार, हुबली से प्रेमा डंक, पुष्पा देवी सुराणा ,चामराजपेट से अनिल चोपड़ा लीला चोपड़ा लीला देवी मूथा संपिंग रोड से हर्षा जैन इंदिरा गादिया उपस्थित रहे। महामंत्र का जाप एवम आठ दिनों में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी ।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटक सरकार के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा बेंगलूरु के हेग्गनहल्ली क्लस्टर स्तरीय टैलेंट फाउंटेन का संचालन निसर्ग इंग्लिश हाई कूल, हेग्गनहल्ली में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के समापन समारोह में विजेता बच्चों के लिए पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें दासरहल्ली विधानसभा क्षेत्र के विधायक एस. मुनिराजू, मुख्य अतिथि के रूप में विजयनगर मारुति मेडिकल्स के महेंद्र मुणोत ने विजेता बच्चों को पुरस्कार प्रमाण पत्र वितरित किए।

कर्मो की मार को कम करने के लिए समता का अभ्यास जरूरी : साध्वी सिद्धप्रभा

'कर्मो की मार-यमराज का दरबार' नाटक के मंचन को सभी ने सराहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ युवक परिषद्, विजयनगर के निर्देशन में किशोर मंडल और कन्या मंडल द्वारा साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में 'कर्मो की मार यमराज का दरबार' नाटक का रोचक मंचन किया।

साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी ने मोक्ष मार्ग में प्रशस्त होने के लिए कर्मो की निर्जरा का महत्व बताया। साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी ने आस्थाप्रभाजी द्वारा प्रदत्त कर्मो पर आधारित नाटिका के प्रस्तुतिकरण में साध्वीश्री दीक्षाप्रभाजी के श्रम की अनुमोदना की। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने उपस्थित सभी का स्वागत किया। किशोर मंडल और कन्या मंडल के सदस्यों ने कर्मसत्ता, शुभ कर्मो, अशुभ कर्मो, असात वेदनीय कर्म, अंतराय कर्म, मोहनीय कर्म एवं अन्य कर्म बंधन के कारण और मोक्ष मार्ग को अनुसरण करने के मार्ग प्रसंग का रोचक मंचन किया। अभातेयुप उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने नाटक की सराहना की।

इस अवसर पर सभा अध्यक्ष मंगलकोचर, महिलामंडल अध्यक्षा मंजू गादिया, किशोर मंडल प्रभारी अमित दक ने बधाई दी। किशोर मंडल संयोजक हर्ष मांडोत और टीकेएम टीम, कन्या मंडल संजोजिका ध्वनि गन्ना और टीम का विशेष श्रम रहा। इस मौके पर सभी किरदारों को पारितोषिक वितरित किए गए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मंत्री संजय भटेवरा ने किया।

बाक्स क्रिकेट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के काँठा प्रांत विजयनगर मण्डल द्वारा आयोजित मोहनलाल खिंवेसरा कप बॉक्स क्रिकेट लीग-सीज़न 2 की तैयारियों हेतु टीम ओनर्स एवं आइकॉन की बैठक आयोजित हुई जिसमें कमेटी के सदस्यों ने खेल एवं नीलामी के नियमों को सभी के समक्ष प्रस्तुत किया। इस प्रतियोगिता में पुरुषों की 10 टीमें, महिला की 6 टीमें के साथ काँठाप्रांत के इतिहास में पहली बार इंटरस्टेट की 4 टीम चेन्नई, मुंबई, हैदराबाद एवं हुब्बल्ली से और बेंगलूरु की 4 बेस्ट टीमों के साथ कुल 24 टीमें भाग लेंगी। यह प्रतियोगिता 28 और 29 सितंबर को जीटी मॉल के रेश एरीना मैदान में खेला जाएगा।

निर्यात पशुओं का नहीं, शाकाहार, सदाचार का हो : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय नजरबाद स्थित बुद्धि वीर वाटिका के पंडाल में पर्युषण महापर्व के पांच कर्तव्यों पर धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि अहिंसकों और शाकाहारियों की उदासीनता पीड़ादायक है। कभी आजादी के समय देश में 300 कत्लखाने थे, आज लायसेंस वाले कत्लखानों की संख्या 39000 से अधिक हो गयी हैं। बिना लाइसेंस के पता नहीं कितना कारोबार चलता होगा। हर हालत में हिंसा कम होनी चाहिए। आचार्यश्री ने कहा कि जीवहिंसा सामाजिक असभ्यता है। कुवृत्तियों से हिंसा जन्म लेती हैं। स्पष्ट रूप से यह अपने देश के अर्थतंत्र का कत्ल है। यह नीति राष्ट्र की ऋषि और कृषि परंपरा के लिए कलंक हैं। इससे देश और ज्यादा गरीब व दुःखी होगा। हिंसा की हाय से विपदाएं आती हैं। कोई शक्ति उन्हें टाल नहीं सकेगी। हिंसा दुःखों के अलावा कहीं नहीं ले जाती। अहिंसा ही शुद्ध व सात्विक भावों की गंगोत्री है। अहिंसा में शांति, उन्नति और निरापद स्थिति है। सरकारों द्वारा पोल्ट्रीफार्म, मत्स्य उद्योग और कत्लखानों को दी जाती सब्सिडी पूरी तरह बंद होनी चाहिए। इसके लिए अहिंसकों और शाकाहारियों को देशव्यापी आंदोलन करना चाहिए। न्याय व नीतिकारक बात यही है कि गौशालाओं और पशु-पक्षी पालक संस्थाओं को सब्सिडी मिलनी चाहिए। सरकारों को सर्वोच्च न्यायलय का यह आदेश भी अमल में लाना चाहिये कि मारने से बचाने का अधिकार महत्वपूर्ण है। जब किसी को मारने का अधिकार है तो बचाने का अधिकार उससे ऊपर होना चाहिए। शनिवार को धर्मसभा में मैसूरु राज परिवार के वंशज और सांसद यदुवीर कृष्णदत्त वाडेयर ने आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी के दर्शन कर आशीर्वाद ग्रहण किए। उन्होंने मैसूरु राज्य और कन्नड़ भाषा के इतिहास में जैन समाज और जैन साधुओं के योगदान को याद कर उनका आभार माना। इस संबंध में जैनाचार्य ने कहा कि मैसूरु राजघराने के साथ जैन समाज का संबंध पंद्रह सौ वर्षों से भी अधिक पुराना है। गणि पद्मविमलसागरजी ने सभी तपस्वियों के जल अभिमंत्रण का विधान कर उन्हें संकल्प दिया। वासनिक्षेप कर आशीर्वाद दिया। जैन समाज की ओर से कांतिलाल चौहान, अशोक दांतेवाडिया, भंवरलाल लुंकड़ और प्रवीण दांतेवाडिया ने यदुवीर वाडेयार का सम्मान किया।

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सहयोग : बेंगलूरु के तेरापंथ युवक परिषद् राजराजेश्वरीनगर ने अपने सामाजिक दायित्व का निर्वाहन करते हुए कास्यपुरा गवर्नमेंट हाई स्कूल रामनगर के विद्यार्थियों को हनुमानमल, संजय कुमार, मनोजकुमार बैद परिवार के सौजन्य से सफेद जूते एवं नोट बुक्स का वितरण किया गया। परिषद अध्यक्ष बिकाश छाजेड़, पूर्व अध्यक्ष विकाश छाजेड़, संस्थापक अध्यक्ष राजेश भंसाली, कोषाध्यक्ष गौतम नाहटा, संगठन मंत्री संदीप बैद, कार्यसमिति सदस्य दीपक सुराण, सेवा प्रभारी सौरभ चोरड़िया ने सेवा कार्य में सहयोग दिया।

'पर्युषण पर्व के दौरान हमें स्व को अपनी आत्मा से जोड़ना है'

बेंगलूरु//दक्षिण भारत। शहर के शांतिनगर स्थित लुणावत जैन स्थानक भवन में राजेशमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि भगवान महावीर ने संसार में अज्ञान रूपी अंधकार को मिटाकर ज्ञान रूपी प्रकाश फैलाया। उन्होंने अहिंसा और दया का पाठ पढ़ाकर मानवता को पुनर्जीवित किया। भगवान ने स्वयं की आत्मा का निरीक्षण करने का संदेश दिया ताकि हम आत्मानंदी बनकर मोक्ष को पा सकें। अंत में धर्म की जीत और पाप का नाश होता ही है। हमें हर कार्य पूरी निष्ठा से करना चाहिए। यदि हम अहंकार और झूठ के सहारे जीवन जीएंगे तो हमारा भविष्य अवश्य ही गर्त में जाएगा और एक दिन हमारा घमंड भी चूर-चूर हो जाएगा, जैसा हम बोलेंगे वैसा ही मिलेगा। जिन भावों से देंगे उन्हीं भावों से पुनः प्राप्त होगा। हमें जिन शासन की प्रभावना हो,ऐसा ही कार्य करना है ताकि हम मिथ्यात्व रूपी कोहरे को हटाने में सफल हो सकें। ऋषभमुनिजी ने भी विचार व्यक्त किए। संचालन संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com